वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 247 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शनिवार 28 नवंबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

नहीं माने किसान, कई जगह पुलिस से झड़पें

किसानों पर चलाई जल तोपें, बरसाए आंसू गैस के गोले, निरंकारी मैदान में धरने की पेशकश ठुकराई, दिल्ली में बढ़ा तनाव

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली का घेराव करने पर आमादा किसान किसी भी सूरत में मानने को तैयार नहीं हैं। पुलिस ने बुराड़ी स्थित निरंकारी मैदान में धरने के लिए जगह देने की पेशकश की थी, लेकिन किसानों ने उसे ठुकरा दिया। उनका कहना था कि उन्हें जंतर मंतर ही जाकर धरना देना है।

फिलहाल वे सिंघू बार्डर पर धरने पर बैठ गए और कहा कि जिसको बात करनी है वह यहीं आए। शुक्रवार को दूसरे दिन भी जगहजगह जाम से लोगों को भारी मुश्किलें पेश आईं। कई लोगों की फ्लाइट छूट गई। एनसीआर को जोड़ने वाले रूटों पर मेट्रो नहीं चलीं, दैनिक जरूरत की वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ा। राजनीति भी चरम पर पहुंच गई। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने खुलकर आंदोलनकारियों का समर्थन किया है।

लगातार दूसरे दिन दिल्ली की हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगने वाली सभी सीमाओं पर जाम से लोग परेशान हुए। फरीदाबाद, गुरुग्राम और नोएडा से दिल्ली आने वाले यात्रियों को कई घंटे तक जाम से जूझना पड़ा। सबसे ज्यादा असर दिल्ली गुरुग्राम के रजोकरी बॉर्डर और नोएडा दिल्ली के कालिंदी कुंज बॉर्डर पर

दिखाई दिया। वाहनों की जांच के चलते भीषण जाम लग गया। गाजियाबाद में पुलिस ने किसानों को यूपी गेट तक पहुंचने ही नहीं दिया, लेकिन मोदीनगर और हापुड़ में किसानों ने हाईवे को करीब तीन घंटे तक जाम रखा। हरियाणा की तरफ से रहे किसान शुक्रवार सुबह सिंघु बॉर्डर पहुंचते ही उग्र हो गए। उन्होंने बैरिकेड तोड़कर दिल्ली की सीमा में घुसने का प्रयास किया। सुरक्षा बलों ने रोकने की कोशिश की तो उनसे भिड़ गए। आखिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दाग उन्हें खदेड़ दिया। इसके बाद दोपहर करीब एक बजे सबसे पहले सिंघु बॉर्डर से सोनीपत की ओर जाने वाले रास्ते पर लगाए बैरिकेड को किसानों ने तोड़ा।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर से उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन व आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया गया। एक किसान ने सीमेंट के बैरिकेड पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। सुरक्षा बल के जवानों ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो किसानों ने उनपर लाठीडंडों से हमला कर दिया। करीब एक घंटे तक किसानों और पुलिस, सुरक्षा बल के जवानों के बीच झड़प चलती रही। इसके बाद सुरक्षा के दूसरे घेरे में लगे सीमेंट के बैरिकेड को किसानों ने पार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में कुछ पुलिस कर्मियों ने भी किसानों पर पथराव किया। किसानों को रोकने में पुलिस को जबरदस्त बैरिकेडिंग की। उन पर ड्रोन ने नजर रखी गई। जरूरत पड़ने पर हिरासत में लिए गए किसानों को रखने के लिए पुलिस ने दिल्ली सरकार से नौ स्टेडियमों को अस्थायी जेल के रूप में इस्तेमाल की अनुमति मांगी थी, लेकिन सरकार ने इन्कार कर दिया।पंजाब के किसानों केपास महीनों का राशन है। गैस सिलेंडर है। वाहनों के पेट्रोलडीजल के ड्रम हैं। यहां तक कि आटा चक्की भी है। दिल्ली में जमे रहने की उन्होंने महीन भर की तैयारी कर रखी है। संसद मार्ग की ओर जाने वाले रास्तों को सुबह से बंद कर दिया गया था।

टॉलस्टॉय मार्ग, बाराखंभा रोड पर भी पुलिस ने जगहजगह बैरिकेडिंग कर रखी थी। सख्त सुरक्षा व्यवस्था के कारण कोई भी किसान जंतरमंतर तक नहीं पहुंच पाया। सबसे ज्यादा मुश्किलें हरियाणा में आईं। पंजाब से एक दिन पहले दिल्ली के लिए रवाना हुए किसानों को रोकना मुश्किल साबित हुआ। हरियाणा पुलिस के बैरिकेड आदि तोड़ते हुए किसान आगे बढ़ते गए।

कोरोना वैक्सीन बना रही देश की तीन कंपनियों का दौरा करेंगे पीएम

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । देशभर में कोरोना वैक्सीन का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है और इसका विकास किस चरण तक पहुंचा है और यह कब तक बाजार में आ जाएगी इसकी जानकारी लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद शनिवार को ये वैक्सीन बनाने वाली तीन कंपनियों का दौरा करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया है कि मोदी वैक्सीन बनाने वाली अहमदाबाद स्थित जायडस बायोटैक पार्क, हैदराबाद स्थित भारत बायोटैक और पुणे स्थित सीरम इन्सटीट्यूट ऑफ इंडिया का दौरा करेंगे। इससे प्रधानमंत्री को कोरोना वैक्सीन विकसित करने की प्रक्रिया कहां तक पहुंची है इसकी वास्तविक जानकारी तथा इससे संबंधित चुनौतियों के बारे में पता चलेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक ट्वीट कर कहा है, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोरोना वैक्सीन के विकास और बनाने की प्रक्रिया की समीक्षा के लिए कल खुद तीन शहरों की यात्रा पर जायेंगे। वह अहमदाबाद स्थित जायडस बायोटैक पार्क, हैदराबाद में भारत बायोटैक और पुणे

में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का दौरा करेंगे।'

एक अन्य ट्विट में कहा गया है, 'चूंकि भारत अब कोविड 19 के खिलाफ जंग के निर्णायक दौर में प्रवेश कर रहा है प्रधानमंत्री की इन कंपनियों की यात्रा और वैज्ञानिकों के साथ चर्चा से उन्हें नागरिकों को कोरोना का टीका देने की देश की तैयारियों, चुनौतियों और रूपरेखा के बारे में पता चलेगा।' मोदी ने इसी सप्ताह राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के दौरान कहा था कि कोरोना की वैक्सीन कब तक आयेगी इसके बारे में सही स्थिति संबंधित कंपनी और वैज्ञानिक ही दे पायेंगे। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा था कि सरकार की प्राथमिकता देश के हर नागरिक तक टीके की पहुंच को सरल बनाना है।

कोरोना मामले 93 लाख से पार, 87 लाख स्वस्थ

नई दिल्ली, 27 नवंबर । देश में कोरोना संक्रमण के 43 हजार से अधिक नये मामले सामने से संक्रमितों का आंकड़ा 93 लाख से पार हो गया है तथा सक्रिय मामलों की दर में वृद्धि जारी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में 43,082 नये मामले सामने आये और संक्रमितों का आंकड़ा 93.09 लाख हो गया।

नये मामलों के साथ सक्रिय मामले 3211 बढ़े और यह संख्या 4.55 लाख हो गयी। इस दौरान 39,379 मरीज स्वस्थ हुए जिसे मिलाकर अब तक 87.18 लाख लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। इसी अवधि में 492 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,35,715 हो गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 4.89 प्रतिशत और रिकवरी दर 93.65 हो गयी है जबकि मृत्यु दर अभी 1.46 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में महाराष्ट्र में सक्रिय मामले सबसे ज्यादा 1526 रहे और केरल में सर्वाधिक 5970 मरीज स्वस्थ हुए जबकि दिल्ली में सबसे अधिक 91 लोगों की जानें गयी। कोविड19 से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामले बढ़कर अब 87,014 हो गये हैं। राज्य में दूसरे दिन भी 65 की संख्या में मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 46,813 हो गया है, वहीं अभी तक 16.68 लाख से ज्यादा लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। केरल में स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या 5.16 लाख से अधिक हो गयी और सक्रिय मामले 619 कम होकर 64,615 हो गये हैं जबकि 2148 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सक्रिय मामलों में फिर वृद्धि हुई और इसकी संख्या 447 बढ़कर अब 38,734 हो गयी है। पिछले 24 घंटों में यहां 91 लोगों की मौत हुई है और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 8811 हो चुकी है जबकि पांच लाख से ज्यादा मरीज अब तक संक्रमणमुक्त हुए हैं।

दिल्ली में नहीं थम रहा कोरोना का कहर 24 घंटे में सामने आए 5482 नए केस

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । राजधानी में कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। दिल्ली सरकार के हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक,। मंगलवार दिल्ली में 5482 नए कोरोना के मामले दर्ज हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या 5,56,744 हो गई है। वहीं एक दिन में 98 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। जबकि 5,937 मरीज ठीक होकर घर लौट गए हैं। बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या कुल 8,811 हो गई। हालांकि राहत की बात ये है कि यहां कोरोना को मात देकर स्वस्थ होने वालों की संख्या 5,03,717 पहुंच गई है। बुलेटिन के अनुसार, राज्य में फिलहाल 38,734 लोगों का संक्रमण का इलाज चल रहा है। वहीं पिछले 24 घंटे में 63266 से अधिक नमूनों की जांच की गई है। इस समय दिल्ली के कोविड डेडिकेटेड अस्पतालों में बेड्स की कुल संख्या 18,252 है। जिसमें से 9109

बेड्स भरे हुए हैं और 9143 बेड्स खाली हैं। डेडिकेटेड कोविड केयर सेंटर में कुल 8,217 बेड्स हैं जिनमें से 489 भरे हैं और 7682 खाली हैं। वहीं डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर में कपल 562 बेड्स हैं जिनमें से 174 भरें हैं और 388 खाली हैं। इसके अलावा 23,102 कोरोना मरीज होम आइसोलेशन में रह रहे हैं।

वहीं दिल्ली में बीते 24 घंटे में 26,080 आरटीपीसीआर टेस्ट किए गए। 35698 टेस्ट रैपिड एंटिजन टेस्ट किट द्वारा किए गए। दिल्ली में अब तक कुल 59,76,437 सैंपलों की जांच की जा चुकी है। वहीं प्रति मिलियन पर 3,08,067 का टेस्ट किया जा रहा है। दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की कुल संख्या 4980 है। 24 घंटे में कंट्रोल रूम में कुल 345 कॉल रिसीव किए गए।

सरकार ने कैब कंपनियों पर लगाई लगाम किराये की तय कर दी सीमा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । सरकार ने शुक्रवार को ओला और उबर जैसी कैब कंपनियों के ऊपर मांग बढ़ने पर किराये बढ़ाने की एक सीमा लगा दी है। अब ये कंपनियां मूल किराये के डेढ़ गुने से अधिक किराया नहीं वसूल सकेंगी। सरकार का यह कदम अहम हो जाता है, क्योंकि लोग कैब सेवाएं देने वाली कंपनियों के अधिकतम किराये पर लगाम लगाने की लंबे समय से मांग कर रहे थे।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के द्वारा शुक्रवार को जारी मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश 2020 के अनुसार, एग्रीगेटर कंपनियों को मूल किराये के 50 प्रतिशत तक न्यूनतम किराये और डेढ़ गुने तक अधिकतम किराये वसूलने की मंजूरी दी जाती है। मंत्रालय ने कहा कि यह संसाधनों के इस्तेमाल को सुलभ करेगा और बढ़ावा देगा, जो कि परिवहन एग्रीगेशन के सिद्धांत का मूल है। यह गतिशील किराये के सिद्धांत को प्रमाणिक बनायेगा, जो मांग और आपूर्ति के अनुसार संसाधनों का इस्तेमाल सुनिश्चित करने में प्रासंगिक है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक सवारी (राइड) पर लागू किराये का कम से कम 80 प्रतिशत हिस्सा एग्रीगेटर के साथ जुड़े वाहन के चालक को मिलेगा। शेष हिस्सा एग्रीगेटर कंपनियां रख सकती हैं। मंत्रालय ने कहा कि जिन राज्यों में शहरी टैक्सी का किराया राज्य सरकार ने निर्धारित नहीं किया है, वहां किराया विनियमन के लिए 2530 रुपये को मूल किराया माना जायेगा। राज्य सरकारें एग्रीगेटर द्वारा जोड़े गए अन्य वाहनों के लिए इसी तरह से किराया निर्धारित कर सकती हैं।

मास्क नहीं पहनने पर होगी गिरफ्तारी, 8 दिन तक जेल

(विशेष संवाददाता)

शिमला । कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए मास्क एक कारगर उपाय है, लेकिन बड़ी संख्या में लोग अभी भी बाहर निकलते समय मुंह नाक को ढंकने से बच रहे हैं। ऐसे में देश के अलगअलग हिस्सों में मास्क नहीं पहनने वालों पर 50 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक जुर्माना वसूल किया जा रहा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में तो गिरफ्तारी का आदेश भी दिया गया है।

सिरमौर के एसपी ने शुक्रवार को बताया, कोई भी व्यक्ति जो मास्क नहीं पहने होगा, उसकी बिना वारंट गिरफ्तारी की जा सकती है। दोषी पाए जाने पर 8 दिन तक की जेल या 5000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के कल्लू में जिला प्रशासन ने में भी मास्क न पहनने पर जुर्माना राशि को बढ़ा दिया गया है। यहां सार्वजनिक स्थानों पर बिना मास्क के पाए जाने पर 5000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। पहले यह जुर्माने की राशि 1000 रुपए थी। कुल्लू जिला प्रशासन ने कहा, प्रदेश में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य है। आदेश की अवहेलना करने वाले लोगों पर पहले 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जाता था जिसे बढ़ाकर 5000 रुपये किया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश में कोरोना के बढ़ते कहर के चलते पिछले 24 घंटों में बारह लोगों की मौत हो गई है। इसी के साथ राज्य में अब तक कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 601 पहुंच गई है।

मंदी में इकॉनमी, दूसरी तिमाही में जीडीपी में 7.5 फीसदी की गिरावट

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े आ गए हैं। जुलाई सितंबर तिमाही में जीडीपी में 7.5 फीसदी की गिरावट आई है। कोविड19 महामारी और इससे जुड़े लॉकडाउन के कारण पहली तिमाही में जीडीपी में 23.9त्न की अभूतपूर्व गिरावट आई थी। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी में 4.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। लगातार दो तिमाही में निगेटिव ग्रोथ को तकनीकी तौर पर मंदी माना जाता है। यानी सरकार ने आधिकारिक तौर पर मंदी को स्वीकार कर लिया है। अर्थव्यवस्था में मान्य परिभाषा के मुताबिक अगर किसी देश की जीडीपी लगातार दो तिमाही निगेटिव में रहती है यानी ग्रोथ की बजाय उसमें गिरावट आती है तो इसे मंदी की हालत मान लिया जाता है। यानी तकनीकी तौर पर देश आर्थिक मंदी में फंस चुका है। इसकी वजह यह है कि इस वित्त वर्ष की लगातार दो तिमाही में जीडीपी निगेटिव में है।

अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 2.5 फीसदी की गिरावट आई। कोयला, कच्चा तेल, उर्वरक, स्टील, पेट्रो रिफाइनिंग, बिजली और नेचुरल गैस उद्योगों को किसी अर्थव्यवस्था की बुनियाद माना जाता है. यही आठ क्षेत्र कोर सेक्टर कहे जाते हैं। पहली तिमाही के पहले दो महीनों अप्रैल और मई में देश में पूरी तरह से लॉकडाउन था। मई के अंत में आर्थिक गतिविधियां शुरू हुई थीं। दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था पूरी तरह खुल गई थी।

सत्ता में आने पर किसान विरोधी तीनों कानून फाड़ देंगे: सोनिया-राहुल

नई दिल्ली, 27 नवंबर । कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा है कि केंद्र की सत्ता में आने पर हाल में पारित किसान विरोधी तीनों कानूनों को फाड़ कर रद्दी की टोकरी में डाल देंगे। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से कहा कि गांधी और राहुल गांधी ने वादा किया है कि कांग्रेस जब केंद्र की सत्ता सम्भालेगी तो वह सबसे पहले किसान विरोधी इन तीनो कानूनों को खत्म करेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से इन तीनों कानूनों का विरोध करती रही है। इन कानूनों का विरोध करने के कारण संसद में उसके सांसदों को निलंबित तक होना पड़ा है। जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं वहां किसानों को इन कानूनों के कारण नुकसान नहीं हो इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए अलग कानून बनाया जा रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि किसान किसी दल विशेष का नहीं बल्कि सभी का होता है और वह अपनी मेहनत से सभी के पेट की भूख मिटाने का काम करता है इसलिए किसान की बात सुनी जानी चाहिए। कांग्रेस ने तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली कूच करने की कोशिश कर रहे किसानों का समर्थन करते हुए शुक्रवार को कहा कि केंद्र में जिस दिन उसकी सरकार बनेगी उसी दिन इन 'काले कानूनों' को निरस्त कर दिया जाएगा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी किसानों की मांगों को पूरा कराने के लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलकर खड़ी है।

उधर, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' की बात करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसानों के संदर्भ में 'एक देश, एक व्यवहार' पर अमल करना चाहिए। प्रियंका ने ट्वीट किया, ''किसानों की आवाज दबाने के लिए पानी बरसाया जा रहा है।

दिल्ली हिंसा- यूएपीए के आरोपी को अग्रिम जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली । दिल्ली हिंसा से जुड़े मामले में आतंकवाद निरोधक कानून के तहत आरोपी बनाए गए जाकिर को अदालत ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हिंसा को गहरी साजिश रचने के मामले में पुलिस ने जाकिर को गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोपी बनाया है। कड़कड़डूमा स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने आरोपी की भूमिका की जांच हो रही है और उसका फोन भी जब्त है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत नहीं दी जा सकती। अदालत ने अभियोजन पक्ष के उस दलील से सहमति जताई है कि आरोपी से पूछताछ के बाद उसकी भूमिका के बारे में विस्तार से पता लगाया जा सकता है। अदालत ने कहा कि फिलहाल आरोपी की अग्रिम जमानत की याचिका में कोई मेरिट नहीं दिख रही है। अधिवक्ता एम. रहमान ने अदालत को बताया कि वह कानून का पालन करने वाला नागरिक है ।

गली चुनाव में प्रचार के तंज पर नड्डा बोले- यह 74 लाख वोटर्स का अपमान

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव से पहले प्रचार के लिए पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गली चुनाव में प्रचार को लेकर कसे जा रहे तंज पर भी जवाब दिया। उन्होंने इसे 74 लाख वोटर्स का अपमान करार दिया है। नड्डा ने कहा, मेरे यहां आने से पहले कहा गया कि एक पार्टी का अध्यक्ष गली के चुनाव के लिए आ रहा है। यह हैदराबाद के निर्वाचकों का अपमान है।

74 लाख वोटर्स, 5 लोकसभा सीटें, 24 विधानसभा सीटें और 1 करोड़ आबादी, क्या यह आपके लिए गली है? गौरतलब है कि टीआरएस वर्किंग प्रेजिडेंट केटी रामा राव ने गुरुवार को नड्डा, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ जैसे नेताओं के चुनाव प्रचार के लिए आने की खबर पर हैरानी जताते हुए कहा था कि गली चुनाव के लिए बीजेपी के इतने राष्ट्रीय नेता पहुंच रहे हैं। उन्होंने यह

भी कहा कि अच्छा होता कि ये नेता उस समय आते जब शहर ने भारी बारिश और बाढ़ का सामना किया था। नड्डा ने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, जम्मूकश्मीर में फारूक अब्दुल्ला कहते हैं कि वह अनुच्छेद 370 को चीन की मदद से बहाल करेंगे। महबूबा मुफ्ती कहती हैं कि जब तक जम्मूकश्मीर का झंडा बहाल नहीं हो जाता वह तिरंगा नहीं उठाएंगी। ये राष्ट्रीय नेता हैं। कांग्रेस मोदी का विरोध करती है, लेकिन देश का विरोध करने लगती है। यह गुपकर गठबंधन के साथ खड़ी है। गौरतलब है कि ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में जीत हासिल करने के लिए बीजेपी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। 1 दिसंबर को होने जा रहे चुनाव के लिए पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रचार किया तो गृहमंत्री अमित शाह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनात जैसे दिग्गज उम्मीदवारों के लिए वोट मांगने पहुंचेंगे।

सबसे बड़ी रैली बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह करने वाले हैं। वह प्रचार के आखिरी दिन रविवार को सिकंदराबाद में रैली को संबोधित करेंगे। शुरुआत में पीएम मोदी को भी रविवार को रैली के लिए आमंत्रित करने का प्लान था, लेकिन समय की कमी की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। सीनियर बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुरुवार को हैदराबाद में थे।

एक नजर

दिल्ली में और सर्दी बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अगले दो दिनों में सर्दियां और बढ़ेंगी। इस बीच पारा सात डिग्री सेल्सियस तक जाने का अनुमान है। जबकि, सुबह हल्का कोहरा देखने को मिलेगा। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में शुक्रवार को दिन के पहले हिस्से में अच्छी धूप रही। इसके चलते तापमान में थोड़ा इजाफा हुआ। सफदरजंग मौसम केंद्र में दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। वहीं, न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रहा जोकि इस मौसम का सामान्य तापमान है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच सुबह हल्का कोहरा रहेगा। जबकि, तापमान में गिरावट आएगी। 30 नवंबर की सुबह का तापमान सात डिग्री तक गिरने का अनुमान है।

चांदनी चौक में बंद घर से एक करोड़ के गहने चोरी

नई दिल्ली। चांदनी चैक में एक बंद घर से चोरों ने एक करोड़ रुपये मूल्य के करीब के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घटना की शिकायत मिलने पर रविवार को कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस के अनुसार, 65 वर्षीय बुजुर्ग राजकुमार गुप्ता अपनी पत्नी के साथ चांदनी चैक से सटे किनारी बाजार स्थित मकान में रहते हैं। परिवार का चावड़ी बाजार में लोहे का कारोबार है। राजकुमार के बेटे अंकित अपने परिवार के साथ मॉडल टाउन इलाके में रहते हैं। बुजुर्ग दंपति का नौकर दीपावली से पहले गांव चला गया था इसलिए वे अपने बेटेबहू के पास रहने के लिए आ गए। दीपावली के पूजन के बाद किनारी बाजार स्थित घर पर कोई नहीं आया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार देर रात को चोरों ने बुजुर्ग दंपति के घर को निशाना बनाया और लोहे की आलमारी तोड़कर वारदात की। बीते रविवार को जब परिवार को घटना के बारे में सूचना मिली तो उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसमें उन्होंने हीरे एवं सोने के आभूषण एवं पांच लाख नगदी का जिक्र था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार को चोरी गए आभूषणों की संख्या और वजन के बारे में जानकारी राजकुमार गुप्ता की पत्नी से मिली जिसके बाद उसकी कीमत एक करोड़ रुपये के करीब आंकी गई। फिलहाल, चोरी के बारे में कोई सुराग नहीं लग सका है।

पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार दूसरे दिन बढ़े

नई दिल्ली । तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की। देश के चार बड़े महानगरों में आज डीजल 22 से 26 पैसे और पेट्रोल 17 से 19 पैसे प्रति लीटर तक मंहगा हुआ है। लगातार पांच दिन पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने के बाद 25 नवंबर को दोनों ईंधनों की कीमत स्थिर रहीं थी। बीस नवंबर को 48 दिनों तक लगातार स्थिर रहने के बाद दोनों ईंधन के दामों में पहली बार बढ़ोतरी हुई थी। दिल्ली में आज पेट्रोल 19 पैसे और डीजल 24 पैसे प्रति लीटर मंहगा हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 81.89 रुपये जबकि डीजल 71.86 रुपये प्रति लीटर और वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 88.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 78.38 रुपये प्रति लीटर हो गये। कोलकाता में पेट्रोल 83.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल 75.43 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 84.91 रुपये प्रति लीटर और डीजल 77.70 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई।

आईओसीएल के अनुसार आज देश के चार बड़े महानगरों पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार है।

वोकेशनल कोर्सेस को डिग्री से जोड़ेगी स्किल यूनिवर्सिटी

वोकेशनल स्टूडेंट्स के साथ उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने किया संवाद

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि वोकेशनल कोर्सेस के प्रति समाज का नजरिया बदलना जरूरी है। इन कोर्सेस से रोजगार और व्यवसाय के शानदार अवसर निकलते हैं। इसके बावजूद इन कोर्सेस को हेय दृष्टि से देखा जाता है। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय में इन कोर्सेस को डिग्री से जोड़ा जाएगा। तब इनके प्रति धारणा बदलेगी और स्टूडेंट्स को पूरा लाभ होगा। आज दिल्ली सचिवालय में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बारहवीं में शानदार प्रदर्शन करने वाले वोकेशनल कोर्सेस के स्टूडेंट्स के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि आपलोग जब शानदार नौकरी या व्यवसाय करेंगे, तो अन्य स्टूडेंट्स आपको रोल मॉडल और उदाहरण के रूप में देखेंगे। सिसोदिया ने कहा कि वोकेशनल कोर्सेस को कमतर आंकने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। विकसित देशों में इन कोर्सेस को काफी सम्मान की नजर से देखा जाता है। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय का उद्देश्य वोकेशनल कोर्सेस को

व्यावहारिक, सम्मानजनक और रोजगार परक बनाना है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी तीन चार साल में वोकेशनल कोर्सेस को काफी उपयोगी और सम्मानित बनाने का लक्ष्य है। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय में किस प्रकार के कोर्सेस हों, इस पर आप सभी स्टूडेंट्स, टीचर्स और पेरेंट्स के सुझाव काफी उपयोगी होंगे। सिसोदिया ने कहा कि एक बार जब वोकेशनल कोर्सेस के जरिये यूनिवर्सिटी की डिग्री का रास्ता खुल जाएगा, तो इन कोर्सेस का महत्व काफी बढ़ जाएगा।डॉ. निहारिका वोहरा ने कहा कि जर्मनी, फिनलैंड जैसे देशों में वोकेशनल कोर्स को सकारात्मक देखा जाता है। हम डिग्री और डिप्लोमा कोर्स के जरिये स्टूडेंट्स को नौकरी के साथ उद्यमी बनने के लिए भी तैयार करेंगे। इस दौरान अभिभावकों, प्रिंसिपल्स, शिक्षकों तथा कालका जी विधायक आतिशी ने भी विचार व्यक्त किए। वोकेशनल स्टूडेंट्स ने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा कि इन कोर्सेस से उन्हें काफी सीखने को मिल रहा है। एसकेवी, गांधीनगर की छात्रा एकता शर्मा ने कहा कि जब मैंने वोकेशनल कोर्स लिया तो सब मजाक उड़ाते थे। अब वही लोग मुझे बधाई देकर कह रहे हैं कि तुम्हें उपमुख्यमंत्री का निमंत्रण मिल गया।

जीएसएसएस, अशोक नगर की छात्रा तुष्टि अरोड़ा ने कहा कि मुझे उद्यमी बनना है। ऑफिस मैनेजमेंट कोर्स से मुझे इसमें काफी मदद मिली। वह अपने पिता के हैंडिक्राफ्ट बिजनेस को अगले स्तर पर ले जाना चाहती हैं। तुष्टि ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि वोकेशनल स्टडीज को लेकर लोगों की सोच में बदलाव आएगा। एसकेवी जनकपुरी की कंवलजीत कौर ने वेब एप्लीकेशन कोर्स लिया था। उसके पिता ड्राइवर हैं। कहती हैं कि मैं बैंकिंग में कोर्स करना चाहती हूं क्योंकि बैंक में काम करना मेरा सपना है। उपमुख्यमंत्री के साथ संवाद में ब्यूटी एंड वेलनेस, बैंकिंग एवं इंश्योरेंस, टाइपोग्राफी एंड कंप्यूटर एप्लिकेशन, ऑफिस प्रोसीजर, शॉर्टहैंड, टेक्सटाइल डिजाइन एवं फैशन स्टडीज, वेब एप्लिकेशन जैसे वोकेशनल विषयों के स्टूडेंट्स शामिल थे।

'कोरोना वारियर्स' में पत्रकारों का स्थान मेरे लिए बेहद खासः डॉ. हर्षवर्धन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । 'कोरोना महामारी की रोकथाम में पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोरोना वारियर्स की मेरी लिस्ट में पत्रकारों का स्थान बेहद खास है। मैं उनके जज्बे, जुनून और साहस को सलाम करता हूं।' यह विचार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने शुक्रवार को भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के सत्रारंभ समारोह2020 के अंतिम दिन व्यक्त किये।

इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, अपर महानिदेशक के. सतीश नम्बूदिरिपाड सहित आईआईएमसी के सभी केंद्रों के संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। 'कोरोना महामारी में स्वास्थ्य पत्रकारिता' विषय पर बोलते हुए डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि कोरोना के दौर में भी पत्रकारों ने लोगों के लिए 'ग्राउंड जीरो' से लगातार रिपोर्टिंग की है। इस दौरान हमने अपने कई पत्रकारों को भी खोया है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में मैंने पत्रकारों से बहुत

कुछ सीखा है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चैथा और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। इसलिए संकट के समय पत्रकार की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। हर्षवर्धन ने कहा कि मैं भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक से आग्रह करता हूं कि वे स्वास्थ्य पत्रकारिता पर एक कोर्स शुरू करें, जिससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कम्युनिकेटर तैयार किये जा सकें। इसके अलावा मैं चाहता हूं कि आईआईएमसी विज्ञान के क्षेत्र में भी अच्छे पत्रकार एवं कम्युनिकेटर तैयार करने पर ध्यान दें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत सरकार चाहती है कि वर्ष 2022 तक सभी बच्चों को अच्छी सेहत और अच्छा खानपान मिले। और इस अभियान में पत्रकारों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि एक वक्त में हमने भारत को पोलियो मुक्त बनाने का सपना देखा था और इस सपने को साकार करने में मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मैं चाहता हूं कि इस महामारी के समय में भी पत्रकार नकारात्मक माहौल को सकारात्मक माहौल में बदलने में मदद करें।

पूर्वी निगम में कूड़ा उठाने का काम निजी एजेंसी को सौंपा जाएगा

नई दिल्ली । पूर्वी दिल्ली नगर निगम में नेता सदन प्रवेश शर्मा ने शुक्रवार को पटपड़गंज स्थित निगम मुख्यालय में कहा कि घरघर से कूड़ा उठाने का काम निजी एजेंसी को सौंपने से सफाई व्यवस्था बेहतर होगी। साथ ही टिप्पर आदि मशीनरी पर होने वाला निगम का खर्च भी बचेगा। यह काम जिस निजी एजेंसी को सौंपा जाएगा, वह भारत सरकार के नए नियमों का अनुपालन करेगी और कूड़ा का संग्रहण परिवहन वैज्ञानिक तरीकों से करेगी। एजेंसी गीला व सूखा कूड़ा अलगअलग उठाएगी और ढके हुए वाहनों द्वारा इसका परिवहन किया जाएगा। गीले कूड़े से खाद बनाई जाएगी और सूखे कूड़े को प्रसंस्करित कर उपउत्पाद तैयार किए जाएंगे। इस व्यवस्था से ढलाव की संख्या में कमी आएगी और कूड़े के ढेर नहीं दिखाई देंगे। निगम की योजना ढलावों की जगह पर वरिष्ठ नागरिकों और किशोरों के लिए पुस्तकालय बनाने की है।

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य सर्वांगीण विकास पर जोरः निशंक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि नई शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति और शिक्षा को समाहित किया गया है और इसमें भारतीय भाषाओं, कला और संस्कृति के संवर्धन पर जोर दिया गया है ताकि छात्रों का सर्वांगीण विकास किया जा सके। डॉ. निशंक ने शुक्रवार को यहाँ पर मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी तथा रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन द्वारा 'समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः मुद्दे, चुनौतियाँ और आगे का रास्ता' पर एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति और शिक्षा को समाहित किया गया है और इसमें भारतीय भाषाओं, कला और संस्कृति के संवर्धन पर जोर दिया गया है ताकि छात्रों का सर्वांगीण विकास किया जा सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा

को नई दिशा प्रदान करने वाली नवाचारी शिक्षा नीति पर चर्चा करना बेहद महत्वपूर्ण और आवश्यक है। शिक्षा राष्ट्रीय तथा मानवीय आदर्शों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने का अपरिहार्य माध्यम है। इन्हीं आदर्शों और वास्तविक लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक ऐतिहासिक तथा प्रासंगिक पहल है। इस शिक्षा नीति के प्रति व्यापक जन जागरूकता उत्पन्न करना एक राष्ट्रीय तथा सामजिक कर्तव्य प्रतीत होता है।

डॉ. निशंक ने कहा, 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में सभी राष्ट्रवासियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है क्योंकि इसके ड्राफ्ट को न सिर्फ 130 करोड़ भारतीयों के सुझाव के बाद तैयार किया गया बल्कि अलग अलग क्षेत्र, वर्ग और आयु के लोगों को इससे जोड़ कर इसे तैयार किया गया जिसका उद्देश्य अंकपरक नहीं अपितु ज्ञानपरक शिक्षा प्रदान करना है।' केंद्रीय मंत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के बारे में बताते हुए कहा कि यह नीति बहुआयामी, लचीली तथा समग्र है।

दिल्ली के स्टेडियमों को जेलों में तब्दील करने से इंकार करने का आप ने किया स्वागत

नई दिल्ली, 27 नवंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के स्टेडियमों को जेलों में तब्दील करने से साफ इन्कार कर दिया है। दिल्ली के गृह मंत्री सत्येन्द्र जैन ने केंद्र सरकार की मार्फत दिल्ली पुलिस की ओर से की गई मांग को लिखित रूप में ठुकराते हुए कहा कि दिल्ली सरकार किसानों को गिरफ़्तार करके जेलों में डालने के विरुद्ध है, इसलिए दिल्ली स्टेडियमों को जेलों में तब्दील करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। पंजाब विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता हरपाल सिंह चीमा ने दिल्ली सरकार के इस फैसले का स्वागत करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद किया है। प्रतिपक्ष के नेता हरपाल सिंह चीमा ने सोशल मीडिया के द्वारा दिल्ली सरकार की ओर से लिए गए फैसले के संदर्भ में केजरीवाल सरकार का धन्यवाद किया है और कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी पहले दिन से ही पंजाब के किसानों के साथ डटकर खड़ी है। चीमा ने आज यहां कहा कि अरविंद केजरीवाल ही देश के पहले मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने सबसे पहले जंतर मंतर पर 'आम आदमी पार्टी' के धरने का नेतृत्व करते हुए मोदी सरकार के कृषि विरोधी काले कानूनों के खिलाफ डटकर आवाज बुलंद की थी और यह कानून तुरंत वापस लेने की मांग की थी। केजरीवाल ने गेहूं और धान समेत सभी फसलों की एमएसपी पर कानूनी तौर पर गारंटी के साथ खरीद करने की वकालत की थी जिससे देश भर के अन्नदाता के हक सुरक्षित रह सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली पुलिस पर केंद्र की मोदी सरकार का नियंत्रण है।

दिल्ली भाजपा आम आदमी पार्टी विधायकों की तानाशाही नहीं चलने देगी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । भारतीय जनता पार्टी ने आज आम आदमी पार्टी के नेता और विधायक शिवचरण गोयल द्वारा करोलबाग क्षेत्र में लगातार गरीबों की दुकान को उजाड़ने के विरोध मे प्रदशर्न किया। दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी अशोक गोयल देवराहा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राजन तिवारी के नेतृत्व में करोल बाग जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक शिवचरण गोयल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के गरीब विरोधी नीतियों के खिलाफ जखीरा चारा मंडी, करमपुरा में प्रचंड प्रदर्शन कर दुकानों के पुनर्निर्माण की मांग की। प्रदर्शन में प्रदेश मंत्री मोहन लाल दायमा, जिला अध्यक्ष राजेश गोयल, पूर्व विधायक सुभाष सचदेवा, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र बब्बर, निगम पार्षद सुनीता मिश्रा, विपिन मल्होत्रा, जिला महामंत्री धनेश तिवारी, दीपाली कपूर

सहित जिले के पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी अशोक गोयल देवराहा ने कहा कि एक ओर मोदी सरकार गरीबों को मकान और रोजगार मुहैया करा रही है तो दूसरी ओर केजरीवाल सरकार गरीबों का दुकान उजाड़ कर उन्हें बेरोजगार बना रही है। उन्होंने कहा कि 15 साल कांग्रेस ने 6 साल से आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली के गरीबों को धोखा दिया और उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। गरीबों से झूठे वादे कर आम आदमी पार्टी सत्ता में तो आ गई और अब उनके मकान उजाड़ रही है। उन्होंने स्थानीय निवासियों को आश्वस्त किया कि दिल्ली भाजपा किसी भी गरीब का मकान या दुकान नहीं उजड़ने देगी। प्रदेश उपाध्यक्ष राजन तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश दिल्ली सरकार के गरीब विरोधी नीतियों के कारण गरीबों का नुकसान नहीं होने देगी।

कोरोना वार्ड में ड्यूटी करने वाला फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 नवंबर (वेबवार्ता)। आईपी इस्टेट पुलिस की गिरफ्त में आया फर्जी डॉक्टर तीन महीने से एलएनजेपी अस्पताल के कोरोना वार्ड में ड्यूटी कर रहा था। पूरे मामले का मुख्य साजिशकर्ता डॉक्टर विश्वजीत अब भी फरार है। विश्वजीत सीनियर रेजीडेंट डाक्टर हैं और एक साल से एडहाक पर दिल्ली सरकार के अस्पताल में तैनात हैं। बताया जाता है कि सूश्रुत ट्रामा सेंटर से ट्रांस्फर होने के बाद डॉक्टर की ड्यूटी कोरोना वार्ड में लगाई गई थी।

कोरोना के भय से वह राशिद खान नाम के शख्स को अपनी जगह ड्यूटी पर भेज रहा था। यह सिलसिला बीते तीन माह से चल रहा था। राशिद की गतिविधियों की वजह से अस्पताल स्टाफ को शक हुआ तो उन्होंने पहचान पत्र से चेहरा मिलाया और तब जाकर पूरा मामला सामने आया। अस्पताल प्रशासन ने गुरुवार को आईपी इस्टेट थाने में शिकायत दी, जिसके आधार पर धोखाधड़ी एवं अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में राशिद ने बताया कि उसने नर्सिंग का कोर्स कर रखा है। एक अस्पताल में डॉक्टर विश्वजीत से मुलाकात हुई थी। डॉक्टर उसे अपनी जगह नौकरी करने के लिए वेतन का 40 फीसदी हिस्सा देता था। चूंकि वह मास्क पहने रहता था इसलिए कोई पहचान नहीं पाया। जब कभी पर्चे पर दवा लिखने की जरूरत होती थी तो वह बहाना बनाकर डॉक्टर विश्वजीत से फोन पर लक्षण बताकर नाम पूछ लेता था।

मोनिका छाबड़ा बनी चांदनी चौक जिले की BJP महिला मोर्चा अध्यक्ष

चांदनी चौक जिले की महिला मोर्चा का अध्यक्ष बनने पर हुआ भव्य स्वागत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 27 नवम्बर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश ईकाई ने दिल्ली प्रदेश की जुझारू कार्यकर्ता मोनिका छाबड़ा को भाजपा महिला मोर्चा का चाँदनी चौक जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया है। अभी तक वह इसी जिले में मंत्री का कार्यभार देख रही थीं। शुक्रवार को मोनिका छाबडा का चांदनी चौक कार्यालय में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया।

इस मौके पर जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष मोनिका छाबड़ा ने इस दौरान बताया कि सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से महिलाओं को देश की

सेवा में बढ़ चढ़ कर राजनीति में आगे आना होगा। महिला मोर्चा संगठन बीजेपी को पहले से अधिक मजबूती प्रदान करेगा। बता दें कि मोनिका छाबडा ने संगठन की मजबूती के लिए जिले में अनगिनत महिला कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोडा है। यही कारण है कि पार्टी मजबूती से खडी है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में चांदनी चौक जिले में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक होगा, इसके लिए वह लोगों से मिलेंगी ओर पार्टी से जोडने का कार्य करेंगी। बता दें कि मोनिका छाबड़ा पिछले एक दशक से भारतीय जनता पार्टी से जुडी हैं और बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने में जुटी हुई हैं। पार्टी ने उनके कार्यों को देखते हुए पार्टी में बडी जिम्मेदारी सौंपी है।

अदालत ने केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को मानहानि के मामले में पेश होने का आदेश दिया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । दिल्ली की एक अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 2013 में विधानसभा चुनाव में टिकट के एक दावेदार द्वारा दर्ज की गयी आपराधिक मानहानि की शिकायत के सिलसिले में तीन दिसंबर को 'अवश्य' पेश होने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट रवींद्र कुमार पांडे ने केजरीवाल, सिसोदिया एवं स्वराज इंडिया के अध्यक्ष योगेंद्र यादव को 25 नवंबर को उस दिन के लिए पेशी छूट प्रदान करते हुए यह निर्देश दिया। यादव तब आम आमदी पार्टी में थे। अदालत शिकायतकर्ता सुरेंद्र कुमार शर्मा के कानूनी उत्तराधिकारी योगेश गौड़ द्वारा दायर आवेदन की सुनवाई कर रही है। शर्मा की हाल ही में मृत्यु हो गयी थी। अदालत ने कहा, ''सभी तीनों आरोपियों को बस आज के लिए उनके वकीलों के माध्यम से छूट दी

जाती है लेकिन उन्हें सुनवाई की अगली तारीख को अवश्य ही कार्यवाही से जुड़ने का निर्देश दिया जाता है।'' स्थगन के अनुरोध संबंधी आवेदन में केजरीवाल एवं सिसोदिया के वकील ने अदालत से यह भी कहा कि उनके मुख्य वकील कोविड19 से संक्रमित हैं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन दिसंबर की तारीख तय की। शर्मा ने शिकायत की थी कि 2013 में आप कार्यकर्ताओं ने उनसे पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए यह कहते हुए आग्रह किया था कि केजरीवाल उनकी सामाजिक सेवा से प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा था कि सिसोदिया एवं यादव ने उनसे कहा कि पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति ने उन्हें टिकट देने का निर्णय लिया है। इसके बाद उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए आवेदन पत्र भरा था लेकिन बाद में उन्हें चुनाव लड़ने से वंचित कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने 14 अक्टूबर, 2013 को दावा किया था कि प्रमुख अखबारों में प्रकाशित आलेखों में आरोपियों द्वारा उनके विरूद्ध इस्तेमाल किये गये ।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य
बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

नौसेना का मिग-29 के विमान दुर्घटनाग्रस्त, एक पायलट लापता

नई दिल्ली । नौसेना का एक प्रशिक्षु मिग29 लड़ाकू विमान गुरूवार शाम को अरब सागर के उपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान के एक पायलट को बचा लिया गया है जबकि दूसरे का पता लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नौसेना के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि यह विमान गुरूवार शाम पांच बजे उस समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ जब यह गोवा के निकट अरब सागर के उपर उड रहा था। उन्होंने कहा कि एक पायलट को शुक्रवार सुबह बचा लिया गया है जबकि दूसरे का पता लगाने के लिए हेलिकॉप्टरों और युद्धपोतों से अभियान शुरू किया गया है। हादसे के कारणों की जांच के आदेश दिये गये हैं। पिछले एक वर्ष में मिग29 के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की यह तीसरी घटना है। इससे पहले पिछले वर्ष 16 नवम्बर और गत 23 फरवरी को भी मिग 29 के विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। नौसेना के बेड़े में 40 मिग 29 के लड़ाकू विमान हैं। दो इंजन वाले मिग 29 रूस में निर्मित हैं और ये विमान नौसेना के हंसा नौसैनिक अड्डे पर तैनात हैं। इनमें से कुछ विमान नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य पर भी तैनात हैं। मिग 29 विमानों ने हाल ही में अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के साथ संपन्न हुए मालाबार समुद्री अभ्यास में भी हिस्सा लिया था।

शहीद हरिओम गहलोट के नाम पार्क का नामकरण

नई दिल्ली । भाजपा के वरिष्ठ नेता सांसद डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा ककरौला गांव में आयोजित समारोह में शहीद हरीओम गहलोट पार्क' का नामकरण एवं स्मारक स्थल का अनावरण किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जयवीर राणा, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम महापौर अनामिका मिथिलेश सिंह, स्थाई समिति अध्यक्ष राजदत्त गहलोट, पूर्व विधायक राजेश गहलोट सहित निगम के पदाधिकारी उपस्थित थे। दिल्ली फायर सर्विस में कार्यरत रहे हरिओम गहलोत 2017 में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने स्वर्गीय हरिओम गहलोट को याद करते हुए कहा कि अपनी जान पर खेलकर लोगों को आग से बचाने के दौरान शहीद हुए हरिओम गहलोट के बलिदान को समाज नहीं भुला सकता है। आने वाली पीढ़ी भी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर सकारात्मकता की ओर बढ़ेगी। उन्होने कहा कि शहीद हरिओम गहलोट के नाम पर पार्क का नामकरण कर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने सराहनीय पहल की है। आदेश गुप्ता ने आरोप लगाया कि एक ओर केजरीवाल सरकार है जो कोरोना महामारी संकट में भी लोगों की मदद नहीं कर रही वहीं दूसरी ओर निगम है जो सभी मोर्चों पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है। नगर निगम, चाहे विकास का कार्य हो या लोगों की सेवा करने का कार्य हर काम बखूबी कर रहा है। निगम के भाजपा पार्षद और कार्यकर्ता मास्क को मुफ्त में बांटने का काम कर रहे हैं।

डीटीसी खरीदेंगीं 1250 नए सीएनजी लो फ्लोर बसें

बीएस -VI लो फ्लोर एसी बसें सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 नवंबर। दिल्ली परिवहन निगम ने आज अपनी बोर्ड मीटिंग के दौरान 1250 वातानुकूलित बीएस **VI** मानक आधारित सीएनजी लोफ्लोर बसों की खरीददारी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। बोर्ड मीटिंग की अध्यक्षता परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत द्वारा की गई।

ये बीएस **VI** मानक अनुपालित, वातानुकूलित बसें रियलटाइम यात्री सूचना प्रणाली, सीसीटीवी, पैनिक बटन, जीपीएस और अन्य सुविधाओं से लैस होंगी। इन बसों में शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए भी उचित सुविधा उपलब्ध होंगी। भारत स्टेज (बीएस) एक उत्सर्जन मानक है जो मोटर वाहनों से वायु प्रदूषकों के उत्सर्जन की निगरानी और नियंत्रण

में सहायक सिद्ध हो रहा है।

वर्तमान में डीटीसी और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टीमोडल ट्रांजिट सिस्टम (डीआईएमटीएस) दोनों मिलकर दिल्ली में 6601 बसों का संचालन करते हैं जिनमें डीटीसी की 3762 बसें शामिल हैं। पिछले 2 वर्षो में, दिल्ली के बस बेड़े में 1681 नई बसें शामिल हुई हैं । मंत्रिपरिषद द्वारा इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इन लोफ्लोर बसों के इस्तेमाल का रास्ता साफ हो जायेगा। इन 1250 बसों के शामिल होने के बाद , दिल्ली में डीटीसी एवं डीआईएमटीएस द्वारा चलाये जा रहे बसों की कुल संख्या 7,851 हो जाएगी।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने एक बयान में कहा, दिल्ली सरकार माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने के साथसाथ अपने सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को भी लगातार सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में, एक महत्वपूर्ण निर्णय के रूप में डीटीसी बोर्ड ने आज 1250 लो फ्लोर एसी सीएनजी बसों को संलग्न करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ये सभी बसें बीएस **VI** उत्सर्जन मानदंडों के अनुरूप हैं।

कोविड-19ः जैन ने कहा, कुछ हफ्तों में दिल्ली की समूची आबादी को टीका लगाने के लिये पर्याप्त ढांचा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को कहा कि कोविड19 का टीका उपलब्ध होने के बाद दिल्ली में समूची आबादी को कुछ हफ्तों में टीका लगाने के लिये पर्याप्त आधारभूत संरचना और उपकरण मौजूद हैं। जैन ने संवाददाताओं को बताया, 'टीकों की कमी को लेकर चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। हमारे पास बड़ी संख्या में स्वास्थ्य देखभाल केंद्र, जैसे मोहल्ला क्लीनिक, पॉली क्लीनिक और अस्पताल आदि हैं जहां लोगों को कोविड19 का टीका दिया जा सकता है।' मंत्री ने कहा, 'जब टीका उपलब्ध हो जाएगा, हम कुछ हफ्तों में दिल्ली की समूची आबादी को टीके लगा सकते हैं।' जैन ने यह भी कहा कि टीकों के वितरण में दिल्ली को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि यह राष्ट्रीय राजधानी है। राजीव गांधी सुपर स्पेशियेलिटी अस्पताल परिसर

में एक तीन मंजिला इमारत की पहचान कोविड19 टीकों के भंडारण के लिये की गई है। दिल्ली के टीकाकरण अधिकारी सुरेश सेठ ने बृहस्पतिवार को कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी कोविड19 टीकाकरण कार्यक्रम के लिये तैयार है और दिल्ली की समूची आबादी को एक महीने में टीके लगाए जा सकते हैं। सेठ ने 'पीटीआईभाषा' को बताया था, ''हमारे पास कोल्ड स्टोरेज के लिए 600 स्थान हैं और बच्चों के वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रम के लिए करीब 1800 संपर्क स्थल हैं। टीके के लिए हमारे पास समुचित उपकरण हैं और दो से आठ डिग्री तथा जरूरत पड़ने पर शून्य से 15 डिग्री या 25 डिग्री नीचे के तापमान पर इसे रख सकते हैं। केंद्र सरकार ने आधाभूत ढांचे को मजबूत किया है तथा और उपकरण मुहैया करा रही है।'' उन्होंने कहा था कि शून्य से 70 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान में टीका को रखने के लिए उपकरण और आधारभूत ढांचा नहीं हैं लेकिन ''हमें नहीं लगता है कि इस संबंध में कोई दिक्कत होगी।

दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर तेज हवाओं के कारण सुधरी वायु गुणवत्ता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । दिल्ली में तेज हवाओं के कारण वायु गुणवत्ता शुक्रवार सुबह सुधरकर 'मध्यम' श्रेणी में पहुंच गई और हवा की गति बढ़ने के साथ इसमें और सुधार की उम्मीद है। शहर में शुक्रवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 131 दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार शाम चार बजे यह 302 दर्ज किया गया था जबकि बुधवार को 24 घंटे का एक्यूआई 413 दर्ज किया गया था जो 'गंभीर' में माना जाता है।

उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'अत्यंत खराब' और 401 से 500 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार और साफ आकाश का प्रमुख कारण तेज हवाएं और पराली जलाने की घटनाओं में आयी भारी कमी है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पर्यावरण अनुसंधान केंद्र के प्रमुख वीके सोनी ने बताया कि हवा की गति पूरी रात अनुकूल रही, जिससे स्थिति बेहतर हुई। उन्होंने कहा, ''आमतौर पर, रात में हवाओं की गति कम रहती है। बृहस्पतिवार रात को हवा की अनुकूल गति (812 किमी प्रति घंटा) के कारण स्थिति में सुधार हुआ।' भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शुक्रवार को हवा की अधिकतम गति 14 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली 'सफर' के अनुसार दिल्ली में वायु प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान बृहस्पतिवार को महज एक प्रतिशत रहा। मौसम विभाग ने कहा कि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

करोलबाग में दुकानों का पुनः निर्माण करे दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के नेता और विधायक शिवचरण गोयल के विरोध मे प्रदर्शन किया। दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष, जिला प्रभारी अशोक गोयल देवराहा और प्रदेश उपाध्यक्ष राजन तिवारी के नेतृत्व में करोल बाग जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक शिवचरण गोयल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जखीरा चारा मंडी, करमपुरा में प्रदर्शन कर दुकानों के पुनर्निर्माण की मांग की। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी अशोक गोयल देवराहा ने कहा कि एक ओर मोदी सरकार गरीबों को मकान और रोजगार मुहैया करा रही है तो दूसरी ओर दिल्ली सरकार गरीबों की दुकान उजाड़ कर उन्हें बेरोजगार बना रही है। उन्होंने कहा कि 15 साल कांग्रेस ने 6 साल से आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली के गरीबों को धोखा दिया और उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। उपाध्यक्ष राजन तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश दिल्ली सरकार के गरीब विरोधी नीतियों के कारण गरीबों का नुकसान नहीं होने देगी।

कृति के सभी जीवों और तत्वों के साथ सह अस्तित्व ही आदिवासियतः हरिराम मीणा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। आदिवासियत या आदिवासी विमर्श को अन्य विमर्शों की तरह नहीं समझना चाहिए। आदिवासियत जीवन जीने का एक बेहतरीन तरीका है, एक दर्शन और वैचारिकी है अपितु यह एक जीवन शैली है। आदिवासी समस्त प्रकृति के तत्त्वों और मानवेतर जीव जगत के साथ सह अस्तित्व की भावना के साथ जीता है,यही उसका मूल दर्शन है। पारिस्थितिकी असंतुलन और पर्यावरण प्रदूषण की समस्याओं के निदान के लिए हमें आदिवासियत की ओर जाना होगा, प्रकृति और मानवेत्तर जीव जगत के पास जाना पड़ेगा। सुप्रसिद्ध लेखक और आदिवासी विषयों के मर्मज्ञ हरिराम मीणा ने उक्त विचार हिंदी साहित्य सभा, हिंदू कॉलेज द्वारा आयोजित वेबिनार कृति चर्चा- धूणी तपे तीर में व्यक्त किए। मीणा ने आदिवासी लोकतंत्र की अवधारणा के बारे में कहा कि आदिवासियों का जो गणतंत्र है, वह आधुनिक लोकतंत्र की तरह बहुमत पर आधारित नहीं है ,वह गण ,जन और संघ के सर्वमत पर आधारित है। उन्होंने विकास की वर्तमान अवधारणा पर कहा कि दुनिया जिस विकास की

ओर जा रही है,वह केवल आर्थिक उन्नति है, जबकि विकास एक बहुत ही वृहद अवधारणा है ,जिसमें सौहार्द्र है, धार्मिक/ सामाजिक सहिष्णुता है, सांस्कृतिक वैविध्य है, आदमी के खुश रहने की मानसिकता है। मूलतः समग्रता को लेकर चलने वाली धारणा ही वास्तविक विकास है। आदिवासी साहित्य के बारे में मीणा ने कहा कि आदिवासी दर्शन,आदिवासी संस्कृति, वैचारिकी पर आधारित साहित्य ही आदिवासी साहित्य है। उन्होंने कहा कि आदिवासी साहित्य इसलिए जरूरी है क्योंकि यह संपूर्ण साहित्य को और समृद्ध करेगा, समाज के जिस तबके की आधिकारिक और पर्याप्त अभिव्यक्ति नहीं हो पाई है,यह उसे भी अभिव्यक्ति प्रदान करेगा। जब हम आदिवासी साहित्य के बारे में विचार करते हैं तो यह ध्यान रखना चाहिए कि वह केवल आदिवासी समाज के जीवन के बारे में नहीं है बल्कि उसमें और मानवेतर जीव जगत भी हैं। वेबिनार के अगले भाग में उन्होंने अपनी प्रसिद्ध औपन्यासिक कृति धूणी तपे तीर के बारे में विस्तृत चर्चा की। मीणा ने अपने इस प्रसिद्ध उपन्यास की रचना प्रक्रिया के बारे में बताया और आधार सामग्री के लिए किए शोध की जानकारी दी।

94 साल पुराने लक्ष्मी विलास बैंक का हुआ अंत, डीबीएस इंडिया के साथ हुआ मर्ज

नई दिल्ली, 27 नवंबर । बैंक कर्मचारियों के संगठन एआईबीईए ने कहा है कि 94 साल पुराने लक्ष्मी विलास बैंक की विफलता में रिजर्व बैंक की जवाबदेही पर गौर किये जाने की जरूरत है। संगठन ने यह भी कहा कि बैंक का डीबीएस बैंक इंडिया लि. में प्रस्तावित विलय विदेशी बैंक के भारतीय बाजार में पिछले दरवाजे से प्रवेश का रास्ता साफ करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉयज एसोसिएशन ने कहा कि तमिलनाडु के बैंक का सिंगापुर स्थित बैंक की भारतीय अनुषंगी डीबीआईएल में विलय को लेकर रुख सरकार के आत्मनिर्भर भारत की नीति के खिलाफ है। संगठन ने कहा कि 94 साल पुराना लक्ष्मी विलास बैंक 90 साल तक लाभ में रहा। बैंक को केवल तीन साल से ही घाटा हुआ है। एआईबीईए ने कहा, ''यह सबको पता है कि इस घाटे का कारण उन बड़े कर्जदारों को ऋष्टा देना है, जिनकी छवि अच्छी नहीं थी। इस संदर्भ में पूरी जांच होनी चाहिए कि कर्जदारों के नकारात्मक साख को जानते हुए भी ये कर्ज क्यों दिये गये? रिजर्व बैंक ने बैंक को इस प्रकार के कर्ज देने को लेकर सतर्क क्यों नहीं किया? केंद्रीय बैंक ने निजी क्षेत्र के बैंक के बड़े अधिकारियों के खिलाफ समय पर कदम क्यों नहीं उठाये?'' एलवीबी का विलय डीबीआईएल में 27 नवंबर से प्रभाव में आएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी। संगठन के अनुसार लक्ष्मी विलास बैंक की विफलता में रिजर्व बैंक की जवाबदेही पर गौर किये जाने की जरूरत है। एआईबीईए ने कहा कि बैंक का डीबीएस बैंक इंडिया लि. में प्रस्तावित विलय विदेशी बैंक के भारतीय बाजार में पिछले दरवाजे से प्रवेश का रास्ता साफ करेगा।

बदले हुए स्वरूप में मनाया जाएगा गुरू तेग बहादुर का 400वां प्रकाश पर्व

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 नवंबरः दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 400वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए तैयारियां शुरु कर दी गई हैं। गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कोरोना के चलते कैसे गुरबारणी से जोड़ा जाए इस सबंध में स्कूल के अध्यापकों के साथ मीटिंग की गई। मीटिंग के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीबी रणजीत कौर ने बताया कि दिल्ली कमेटी द्वारा बीते दिनों अरदास करने के बाद गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए तैयारियों की शुरुआत की गई थी। उन्होंने बताया कि दिल्ली कमेटी द्वारा गुरु तेग बहादुर जी के जन्मस्थान श्री अमृतसर से लेकर दिल्ली तक एक नगर कीर्तन भी निकाला जाएगा और दिल्ली के अलगअलग इलाकों में अनेक कार्यक्रम उल्लिखित किये जाएंगे। उनके जीवन पर सेमिनार

करवाये जायेंगे इसके साथ ही गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के बच्चों द्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब जी की बाणी, सलोक मः 9 के शब्द का गायन करने का भी कार्यक्रम उल्लिखित किया गया है। कमेटी की धर्म प्रचार के मुखी जतिंद्रपाल सिंह गोल्डी ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे जीवन काल के दौरान, गुरु गोबिंद सिंह जी का 300वां, गुरु नानक देव जी का 550 प्रकाश पर्व आया और अब गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व मनाने का हमें मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के चलते गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के बच्चों द्वारा तैयारी के लिए एकत्र होना मुश्किल है ।

भारत ने 'बदलती दुनिया' में यूएई के साथ काम करने के लिए और अवसरों पर चर्चा की

नई दिल्ली/अबु धाबी, 27 नवंबर (वेबवार्ता)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और 'बदलती दुनिया' में खाड़ी देश के साथ मिल कर काम करने के और अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कोविड युग के अनुभवों ने भारत और यूएई को काफी सीख दी हैं। जयशंकर 2526 नवंबर को दो दिन की यूएई की यात्रा पर थे। यह उनकी तीन देशों बहरीन,संयुक्त अरब अमीरात और सेशेल्स की छह दिवसीय यात्रा का दूसरा चरण था, जो मंगलवार को शुरू हुआ।

कोरोना वायरस संक्रमण के बीच हुई इस यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है। जयशंकर ने शुक्रवार को ट्वीट किया,''विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद से दोबारा मुलाकात करके अच्छा लगा। हमने बढ़ते सहयोग का जायजा लिया। बदलती दुनिया में साथ मिल कर काम करने के और अवसरों पर चर्चा की। कोविड युग के अनुभवों ने हम दोनों को काफी सीख दी हैं। उनकी मेहमान नवाजी के लिए शुक्रिया।'' विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार जयशंकर और नाहयान ने बृहस्पतिवार को द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। बयान के अनुसार,''जयशंकर ने कोविड19 महामारी से निपटने में स्वास्थ्य और आर्थिक क्षेत्र में भारत की प्रगति के बारे में यूएई को जानकारी दी।'' दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और रक्षा सहित अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर सहयोग की समीक्षा की। बयान के अनुसार जयशंकर और नाहयान ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की और विभिन्न बहुपक्षीय मुद्दों पर समन्वय जारी रखने पर सहमति जताई।

घर-घर से कूड़ा उठाओ योजना से नुकसान नहीं लाभ होगाः प्रवेश शर्मा

नई दिल्ली, 27 नवंबर (वेबवार्ता)। पूर्वी दिल्ली नगर निगम में नेता सदन प्रवेश शर्मा ने कहा कि घर घर से कूड़ा उठाने की योजना से निगम पर हल्का सा भार तो बड़ा है लेकिन इससे सफाई व्यवस्था दुरुस्त होगी और इसके सकारात्मक परिणाम भविष्य में सामने आएंगे। शर्मा ने यह बात शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही, इस मौके पर उनके साथ उपमहापौर हरि प्रकाश बहादुर डेम्स कमेटी के चेयरमैन बीएस पवार भी मौजूद थे।

नेता सदन प्रवेश वर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण मैं हमारी 47 में से 46 वी रैंकिंग आना अपने में शर्मनाक है अधिकारी भले ही इसे ना माने लेकिन निगम में शासित होने के चलते हम अपनी जिम्मेदारी नैतिक रूप से स्वीकार करते हैं इसीलिए अब हमारी कोशिश है कि पूर्वी निगम को स्वच्छता के मामले में सबसे आगे लाएं।

प्रवेश शर्मा ने कहा कि इस योजना से निगम को बहुत भारी घाटा होगा या अपने में भ्रम है, अभी तो आने वाले दिनों में हमें इससे लाभ ही मिलेगा, गीले कूड़े से खाद बनेगी वो हमारे उद्यान विभाग में काम आएगी इसी तरह सूखे कूड़े से भी हमें लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पूर्वी निगम में घरों से कूड़ा उठाने के लिए कोई राशि ग्रह मालिकों से नहीं ली जाएगी यह हमने साफ कर दिया है इतना ही नहीं जो पेनल्टी क्लोज है वह भी क्रियान्वित नहीं किए जाएंगे। इसलिए आम जनता को इससे कहीं कोई नुकसान नहीं उल्टा लाभ ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि अभी कंपनी कि जो प्रोग्रेस देखने को मिली है वह 40 परसेंट है लेकिन आने वाले दिनों में यह बढ़कर 100 फीसदी हो जाएगी।नेता सदन ने कहा कि प्राइवेट कंपनी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाने का निगम के सफाई कर्मी पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वह पहले की भांति काम करते रहेंगे।

उपमहापौर हरि प्रकाश बहादुर ने कहा कि डोर टू डोर योजना से धीरे धीरे कूड़ा ढलाव घरों में जाना बंद हो जाएगा, इसके बाद जो ढडाव घर खाली होंगे उन ढलाव घरों में निगम क्षेत्र के लोगों के लिए लाइब्रेरी वह बुजुर्गों के लिए मनोरंजन केंद्र उसमें बनाएगी ताकि क्षेत्र की जनता को उसका लाभ मिल सके, उन्होंने यह भी कहा डोर टू डोर योजना से हमारी रैंकिंग और सुधरेगी और पूर्वी निगम स्वच्छता रैंकिंग में नंबर 1 के स्थान पर पहुंचेगी।

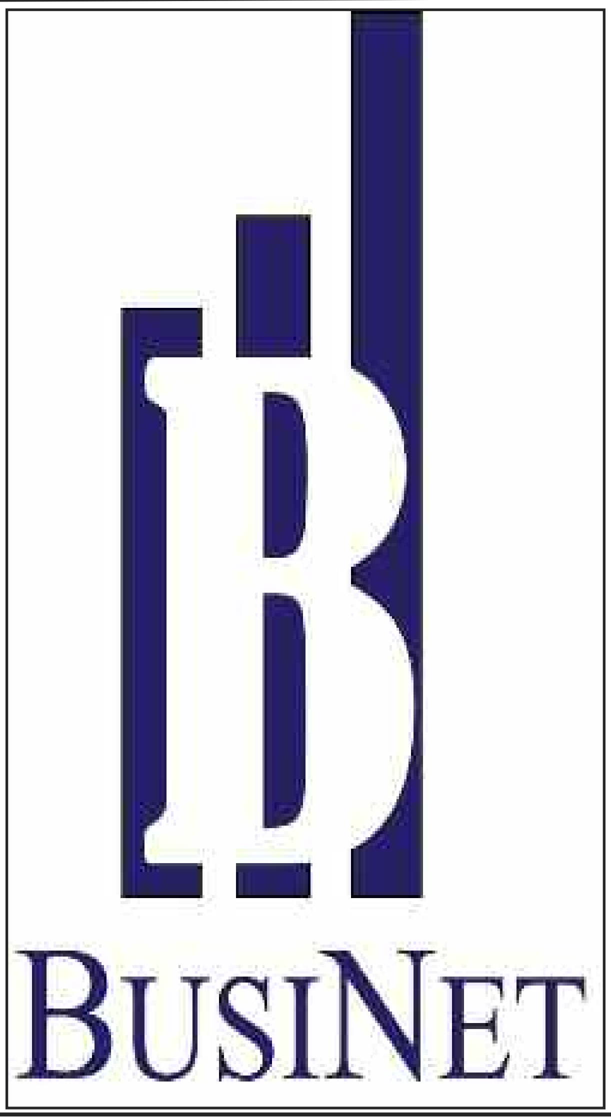

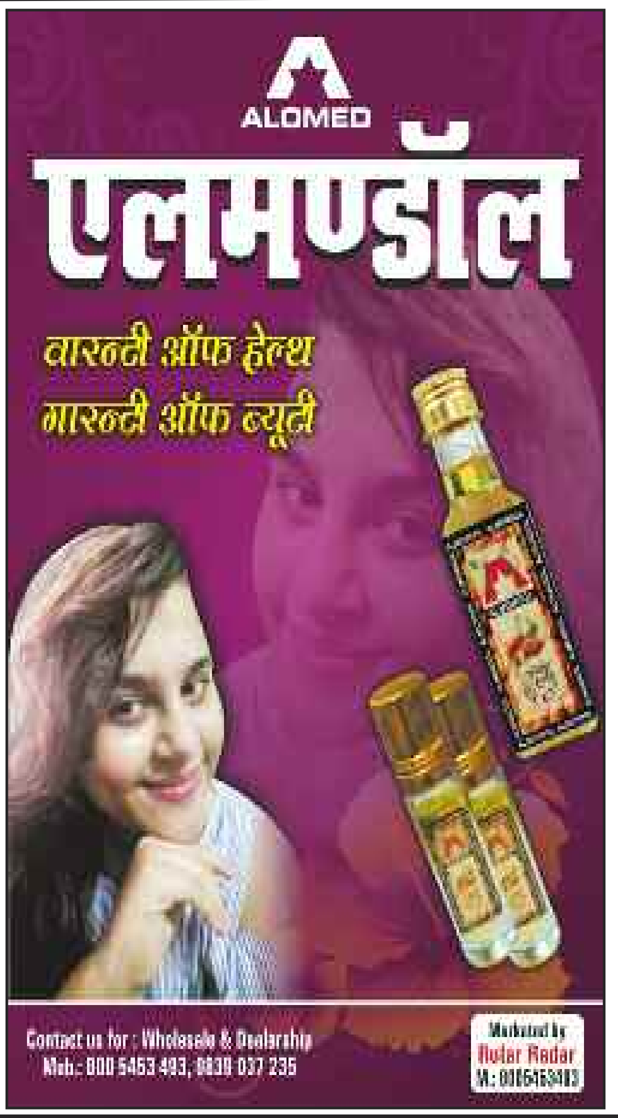

संपादकीय

चुनावों में क्या वाकई चुनने के लिए कुछ नहीं है?

पिछले लगभग तीन दशकों से समयसमय पर कहा जाता रहा है कि कांग्रेस और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. इसी धारणा के चलते तीसरे मोर्चे की आवश्यकता महसूस की गई. तीसरे मोर्चा से आशय है गैरभाजपा और गैरकांग्रेस दलों का गठबंधन. पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और वामपंथी दलों ने साथ मिलकर पिछला विधानसभा चुनाव लड़ा था. परन्तु मिल कर भी वे तृणमूल कांग्रेस को परास्त नहीं कर सके. इन दिनों कई दलित पार्टियाँ तीसरे मोर्चे की बात कर रहीं हैं. असादुद्दीन ओवेसी की एआईएमआईएम भी इसी दिशा में काम कर रही है. हाल के बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी, कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के महागठबंधन की बहुत कम अंतर से हार हुई. विश्लेषक अब भी इस प्रश्न से जूझ रहे हैं कि आरजेडी की आमसभाओं में भारी भीड़ उमड़ने और चार घंटे के नोटिस पर देश को लॉक कर देने के निर्णय के कारण आम लोगों को जो गंभीर परेशानियाँ भुगतनी पडीं उनके बावजूद भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गटबंधन क्यों और कैसे बिहार चुनाव जीत गया. अधिकांश विश्लेषक भाजपा की जीत के लिए एआईएमआईएम को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं. वोटों के गणित की दृष्टि से देखा जाए तो निश्चित रूप से कुछ सीटों पर भाजपा को एआईएमआईएम के कारण लाभ हुआ है. यह तर्क भी दिया जा रहा है कि एआईएमआईएम के चुनाव मैदान में उतरने के कारण हिन्दू मतदाताओं का भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण हो गया। यद्यपि असादुद्दीन ओवेसी संविधान और कानून की सीमाओं के अन्दर रहते हुए अल्पसंख्यकों की समस्याओं को उठाते रहे हैं परन्तु उनके भाई और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं के वक्तव्य अक्सर सांप्रदायिक और विघटनकारी होते हैं. इस सिलसिले में अकबरुद्दीन ओवेसी का वह भाषण काबिले गौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पुलिस को हटा लिया जाए तो बहुसंख्यक समुदाय से निपटने में मुसलमान पूरी तरह सक्षम हैं. इस भाषण के वीडियो को सोशल मीडिया पर जम कर प्रसारित किया गया और संघ परिवार ने इसका इस्तेमाल अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए किया. संघ परिवार पहले ही राम मंदिर, गौरक्षा, लव जिहाद, कोरोना जिहाद आदि जैसे मुद्दों को लेकर मतदाताओं का ध्रुवीकरण करता रहा है. अब ओवेसी का मुद्दा भी उसमें जुड़ गया है. भारतीय राजनीति में मुसलमानों के हाशियाकरण पर असादुद्दीन ओवेसी की चिंता जायज है. वे मुस्लिम समुदाय की सामाजिक बदहाली पर भी चिंता व्यक्त करते रहे हैं. वे भड़काऊ बातें कह कर भी उनके समुदाय को उनकी ओर आकर्षित करने का प्रयास करते रहे हैं. जैसे, उन्होंने कहा था कि अगर उनकी गर्दन पर तलवार भी रख दी जाए तब भी वे 'भारत माता की जय' नहीं बोलेंगे. उनकी पार्टी के एक विधायक ने हिंदुस्तान शब्द का उच्चारण करने से इंकार कर दिया था। ओवेसी की पार्टी तीन स्तरों पर काम कर रही है. व्यक्तिगत तौर पर ओवेसी लोकसभा में काफी सक्रिय रहते हैं और मीडिया उनकी बातों को काफी तवज्जो देती है. वे मुस्लिम समुदाय के दर्द और समस्याओं को खुल कर उठाते हैं और भारत माता की जय के नारे जैसे भावनात्मक मुद्दों पर उसी तर्ज पर प्रतिक्रिया करते हैं. दूसरे, उनकी पार्टी के अन्य नेता खुलकर नफरत फैलाने वाले भाषण देते हैं. तीसरे, उनकी पार्टी लगातार अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर रही है. वह महाराष्ट्र (प्रकाश अम्बेडकर के साथ), झारखण्ड, उत्तरप्रदेश और बिहार में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा चुकी है. उसका फोकस उन निर्वाचन क्षेत्रों पर रहता है जहाँ वह कांग्रेस या उसके गठबंधन साथियों को नुकसान पहुंचा सके। यह मानने से कोई इंकार नहीं कर सकता कि मुसलमानों की सामाजिकराजनैतिकआर्थिक स्थिति में भारी गिरावट आई है. सतही तौर पर इसके लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया जा सकता है. यह भी कहा जा सकता है कि कांग्रेस के शासनकाल में देश में ज्यादा संख्या में सांप्रदायिक दंगे हुए।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लखमी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

क्यों भारत को ही मिले मौलाना कल्बे जैसे समझदार मुस्लिम धर्म गुरु

शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे सादिक जैसे शांत और समझदार सारे मुस्लिम धर्मगुरु हो जाएं तो इस्लाम की विश्व भर में बिगड़ती छवि अवश्य ही सुधर सकती है। मौलाना कल्बे सादिक के निधन से हमारे देश ने ही नहीं बल्कि विश्व ने एक उदारवादी मुस्लिम धर्मगुरु को खो दिया है। अगर मौलाना कल्बे सादिक की सलाह को मान लिया जाता तो राम जन्मभूमि विवाद का हल दशकों पूर्व ही सभी के लिये स्वीकार करने योग्य सम्मानजनक और शांतिपूर्ण ढंग से निकल सकता था। उन्होंने कहा था कि बाबरी मस्जिद पर फैसला अगर मुसलमानों के हक में हों तो उसे शांतिपूर्वक और सम्मानपूर्वक स्वीकार करें। जहां उन्होंने मुसमलानों से उनके पक्ष में या हिन्दुओं के पक्ष में आए फैसले को शांतिपूर्वक स्वीकार करने के लिए कहा था तो उन्होंने हिंदुओं को जन्मभूमि की जमीन देने की बात भी कही थी। मतलब यह कि उनका कहना था कि विवादित स्थान पर हिन्दू भी अपना राम मंदिर बना लें, जिसे वे आस्था पूर्वक रामजन्म भूमि मानते आये हैं ।

कल्बे सादिक ने कहा था कि अगर फैसला मुसलमानों के हक में न हो तो भी वे खुशीखुशी सारी जमीन हिंदुओं को दे दें। यह बात कह कर मौलाना साहब ने सबका दिल जीत लिया था। उन्होंने एक तरह से साबित कर दिया था कि भगवान श्रीराम न मात्र हिंदुओं के हैं और न मुसलमानों के, बल्कि वे तो भारत की आत्मा हैं। उनकी उदारवादी सोच के कारण ही उनसे कठमुल्ले नाराज ही रहते थे। देखा जाए तो कठमुल्लों ने मौलाना साहब से कुछ नहीं सीखा। अगर कुछ सीखा होता तो अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास होने के बाद असदुद्दीन ओवैसी तथा आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड अपनी नासमझी के कारण आग बबूला नहीं होते। आपको याद ही होगा कि राम मंदिर का शिलान्यास होने के बाद ये नासमझ कठमुल्ले यह कह रहे थे कि भारत में धर्मनिरपेक्षता खतरे में पड़ गई है। असदुद्दीन ओवैसी तथा आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने जिस बेशर्मी से राम मंदिर के भूमि पूजन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ज़रिये उसकी आधारशिला रखे जाने पर अनापशनाप बोला था, उससे मौलाना साहब दुखी तो जरूर हुए होंगे। मौलाना साहब ने तो हिन्दूमुसिलम एकता के लिए जीवन भर ही ईमानदारी से काम किया था।

मौलाना सादिक़ साहब को कई बार सुना तो मैं उनके विचारों से बहुत प्रभावित ही हुआ। वे जब थे, तो लगता था जैसे वे तकरीर नहीं आपस में बातचीत कर रहे हों, बातचीत भी इस अंदाज़ से कि हर सुनने वाले को लगता था कि वे उसी से बात कर रहे हैं । निहायत इत्मीनान और सभ्य अंदाज़ में मौलाना गुफ़्तुगू करते थे । उनकी बातों मे इल्म, दूरअंदेशी और गहरा ज्ञान होता था । याद करें कि मौलाना कल्बे सादिक ने 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले कहा था कि नरेंद्र मोदी मुसलमानों के लिये अछूत तो नही हैं। मौलाना कल्बे सादिक़ सच बोलने से कभी भी डरते नहीं थे। वे इस लिहाज से बहुत ही निर्भीक इंसान थे। वे कई बार ऐसी बातें भी बोल देते थे, जिन्हें ज्यादातर मुस्लिम समाज एकदम से पसंद नहीं करता था लेकिन, वे कहते थे कि जो मैं कह रहा हूँ, सच्चाई यही है। उन्होंने साल 2016 में कहा था, ÷मुसलमानों को खुद तो जीने का सलीका नहीं पता और वो युवाओं को धर्म का रास्ता दिखाते हैं। उन्हें पहले तो खुद सुधरना होगा जिससे कि मुस्लिम युवा उनकी बताई राहों पर चले। आज मुसलमानों को धर्म से ज़्यादा अच्छी शिक्षा की जरूरत है।

मौलाना कल्बे सादिक़ इस बात से बहुत चिंतित रहते थे कि मुसलमान धर्म गुरु समाज की शिक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। मौलाना कल्बे सादिक देश के कथित नामवर मुस्लिम लेखकों, कलाकारों और बुद्धजीवियों में से नहीं थे जो मुस्लिम समाज की कमजोरियों के संवेदनशील सवालों पर चुप्पी साध लेते हैं। वे इन बुराईयों के उजागर करने के लिए खुलकर और जमकर स्टैंड लेते भी थे। मुस्लिम अदीबों के साथ भारी दिक्कत यह ही है कि वे अपने समाज के ही गुंडो से डरते हैं। वे कभी भी उनसे लड़ने के लिए सामने नहीं आते। न जाने क्यों इन दबंग मुसलमानों से इतना डरते हैं ये लोग। इसलिए ये कठमुल्ले पूरे समाज में इतना आतंक मचाते हैं। पर मौलाना कल्बे कठमुल्लों को सदा ललकारते ही थे। इसलिए बहुत से मुसलमान उनसे नाराज भी रहते थे। पर वे एक ऐसी कमाल की शख़्सियत थे जिन्होंने सभी उदारवादी भारतीयों के दिलों में जगह बनाई थी। वे भी पाकिस्तानी मूल के, अब कनाडा में रह रहे प्रसिद्ध लेखक और पत्रकार तारेक फ़तेह की तरह अल्ला के इस्लाम के पक्ष में थे और मुल्लों के इस्लाम के सख्त खिलाफ थे जो कठमुल्लों द्वारा प्रचारित था जिसका कुरान शरीफ या हदीस में कोई जिक्र तक भी नहीं है। माफ करें मैं यहां पर पाकिस्तान के मौलाना सईद को भी लाना चाहता हूं। वह भी कहने को तो इस्लाम का विद्वान है। पर वह तो असलियत में मौत के सौदागार हैं। वह ही मुंबई में 26/11 को हुए भयानक हमले के षडयंत्र को रचने वाला था। लश्करएतैयबा का कुख्यात मुखिया हाफिज सईद की मुंबई हमलों में भूमिका जगजहिर थी। वह तो अजमल कसाब से भी संपर्क बनाए हुआ था। अब आप खुद ही सोच लें कि मौलाना काल्बे और हाफिज सईद में कितना फर्क है। दुनिया को काल्बे जैसे मौलाना चाहिए न कि सईद जैसे। कल्बे सादिक को पूरा विश्व आपसी भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम देने वाले शिया धर्म गुरु के रूप में याद रखेगा। उन्होंने समाज के उत्थान के लिये शिक्षा के महत्व पर सदैव बल दिया। यह मानना होगा कि लगभग सभी शिया मुसलमान शिक्षा के महत्व को समझते हैं। इसलिए ही शिया मुस्लमान तो जीवन के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ते जा रहे हैं। मौलाना कल्बे सादिक की शिक्षा लखनऊ में हुई थी। वे चाहते थे कि मुसलमान अपने बच्चों को मदरसों के स्थान पर सबके साथ सबके जैसी ही आधुनिक शिक्षा दिलवाएं। चूंकि अब मौलाना कल्बे नहीं रहे, तो मुसलमानों को उनके बताए रास्ते पर चलने से ही भला होगा। उन्हें फालतू के बहकावों में पड़े बिना अपने बच्चों की शिक्षा पर फोकस करना होगा। मुसलमान देश का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक वर्ग है, पर शिक्षा के मामले में सबसे खराब हालत इनकी ही है।

आर.के. सिन्हा
सांसद, राज्य सभा
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

कोरोना काल ने दिखाया अच्छे-अच्छों को आईना

कोरोना काल में लगातार एक सैनिक की भाँति ड्यूटी पर तैनात एक डॉक्टर से बातचीत में कोरोना काल और मानवीय रिश्तों के विषय में जो जानकारी प्राप्त हुई, वह सच में मानवता को शर्मसार करने वाली है। इस कोरोना काल के दौरान ज्यादातर संक्रमित व्यक्ति अपनी बीमारी के साथसाथ अपनों के व्यवहार से भी खासा प्रभावित हुआ, दिखाई दिया। कोरोना से संक्रमित बेटे ने बाप से, भाई ने भाई से, पत्नी ने पति से ऐसी दूरी बना ली, जिसमें यह साफ दिखाई दिया कि अपनी जान ही बेशकीमती है, मानवीय रिश्ते तो महज स्वार्थ स्वरूप हैं। जितना डर व कष्ट व्यक्ति को कोरोना संक्रमण का नहीं दिखा, उससे कहीं ज्यादा डर व कष्ट अपने निजी रिश्तों की अनदेखी का दिखाई दिया। कितने कोरोना संक्रमित मरीजों की जान अपनों की अनदेखी व दूरी बनाने से चली गई। जबकि हकीकत तो यह है कि कोरोना के वायरस एक मान्य दूरी से ज्यादा प्रभावी नहीं हो सकते हैं, तो पूरे तौर पर संक्रमित व्यक्ति को अकेला छोड़ देना, आखिर कहाँ तक उचित है? इस कोरोना काल ने अच्छे अच्छों को आईना दिखा दिया, अपनेपराये का खूब आभास कराया।

डॉक्टर साहब ने तो यहाँ तक बताया कि मुझे ऐसे अनेक कोरोना संक्रमित मरीज मिलें, जिनके घरवालों ने उन्हें ह्वीलचेयर पर भी पकड़ कर रखने से मना कर दिया, जब जाँच के बाद रिपोर्ट आई तो पता चला कि व्यक्ति कोरोना संक्रमित है ही नहीं, बल्कि वह अन्य कारणों से बीमार था, अगर समय पर हॉस्पिटल न लाया गया होता तो व्यक्ति की जान भी जा सकती थी। अब इतना सब जिस व्यक्ति के साथ हुआ क्या वह रिश्ते को महत्व देगा? मुझे तो नहीं लगता कि वह व्यक्ति फिर से उन लोगों को अपना पाएगा, जिन्होंने बीमारी के दौरान कोरोना संक्रमण के डर से उसे हॉस्पिटल भी ले जाने से मना कर दिया था।

यह बात सही है कि जागरूकता बहुत ही जरूरी है, मगर व्यक्ति बीमार है यह देखकर भ्रम पाल लेना कि वह कोरोना संक्रमण से ही प्रभावित है, गलत है, आखिर मानवता भी कोई चीज होती है। जहाँ जागरूकता दिखानी चाहिए, वहाँ तो व्यक्ति जागरूकता दिखा नहीं रहा और परिवार में उसका दिखावा करता फिर रहा है। अगर व्यक्ति इतना ही जागरूक होता तो सरकार द्वारा लगातार कोरोना को लेकर गाइड लाइन आखिर क्यों जारी करनी पड़ती। लॉकडाउन की ढील के बाद से देखा गया है कि न तो मुँह पर मास्क है और न तो बाजारों में व कार्य स्थलों पर उचित दूरी, बस परिवार में यह नियम बकायदा पालन कियाकराया जा रहा है। केवल इतने से ही कोरोना संक्रमण से बचाव थोड़े नहीं होने वाला, हमें पूर्णतः जागरूक होना होगा। परिवार हो या समाज, गाँव हो या शहर, बाजार हो या कार्यक्रम स्थल सब जगह उचित दूरी और मास्क का प्रयोग नियमित करना होगा, न कि बीमार व्यक्ति को देखकर उसे अकेला छोड़ भागने से, क्योंकि कोरोना संक्रमित व्यक्ति को सही समय पर उचित इलाज द्वारा बचाया जा सकता है। अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, संक्रमित व्यक्ति की मदद करने से रिश्तों और स्वयं दोनों की सुरक्षा की जा सकती है, क्योंकि अगर आपको लगता है कि कोरोना संक्रमण लाइलाज है, तो बिल्कुल गलत है। कोरोना संक्रमित होने के बाद सुरक्षित अपने परिवार में जाने वाले व्यक्तियों की संख्या का ग्राफ बहुत ही ऊँचा है, क्योंकि उन्हें सही समय पर इलाज की उपलब्धता व अपनों का सहयोग मिला। अतः कोरोना काल के प्रभाव व डर से ज्यादा जरूरी है, जागरूक बनना और अपनी व अपनों की सुरक्षा का ध्यान रखना। इससे संक्रमित व्यक्ति से भागिए नहीं बल्कि खुद को सुरक्षित करते हुए, उसकी मदद जरूर करें! नहीं तो मानवता का अंत हो जाएगा और कोरोना काल हमारे मानवीय रिश्तों को भी तार तार कर देगा।

मिथलेश सिंह मिलिंद
मरहट पवई आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

रौशनी फैलाने के नाम पर भ्रष्टाचार का जाल!

देश में घोटाले होने कोई नई बात नहीं है लेकिन कई ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दा होते है जिन्हें उतना नहीं उठाया जाता जितना की उसके गुनहगारों को दंड़ मिलना चाहिए।बहरहाल जम्मूकश्मीर के इतिहास में भी सबसे बड़ा ऐसा ही घोटाला है, जो है रोशनी ज़मीन घोटाला।

इस समय हर कोई जम्मूकश्मीर में रोशनी जमीन घोटाले में शामिल हुए लोगों की लिस्ट की ही चर्चा कर रहा हैं। क्योंकि जैसे जैसे कार्रवाई आगे बढ़ रही है वैसे ही कई नेताओं, उनके रिश्तेदारों, अधिकारियों और बड़े व्यापारियों के नाम इस घोटाले में शामिल होने के सबूत मिल रहे है। गौरतलब है कि इस सोचे समक्षे घोटाले से सरकार को कई करोड़ो का नुक्सान हुआ है, जिन पैसों से हर घर में बिजली पहुंचने वाली थी, हर घर में उजाला होने वाला था आज उन्ही पैसों का कई लोग गलत उपयोग कर रहे हैं। वर्ष 2001 में फारूक अब्दुल्ला जब जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने विधानसभा में रोशनी एक्ट पास किया गया था जिसका मकसद यह था कि जिनके पास निश्चित समय के लिए सरकारी जमीन लीज पर है या कोई चालीस वर्ष से सरकारी जमीन पर रह रहा है तो यह जमीन हमेशा के लिए उन्हें दे दी जाए, मतलब उन्हें जमीन का मालिक बना दिया जाए, लेकिन उसके बदले में सरकार बाजार मूल्य पर पैसा लेगी और इस तरह जो पैसा सरकारी खजाने में आएगा उससे जम्मूकश्मीर के हर घरघर बिजली की योजना चलाई जाएगी और इसलिए इसे रोशनी एक्ट नाम दिया गया व इस एक्ट के ज़रिए करीब 25 हज़ार करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन रोशनी एक्ट कुछ खुदगर्ज़ लोगों के कारण घोटाले में बदल गया, जिससे कई लोगों ने अपने घर बनायें।

जम्मू के सुंजवान में फारूक अब्दुल्ला का बंगला है। वर्ष 1998 में फारूक अब्दुल्ला ने इस बंगले को बनाने के लिए करीब 16 हजार स्क्वायर फीट जमीन खरीदी थी लेकिन उन पर आरोप है कि उन्होंने इसके आस पास की 38 हजार स्क्वायर फीट जंगल की जमीन पर भी कब्जा कर लिया। जिस पर उन्होंने अपना आलीशान बंगला बनाया। हालांकि जम्मूकश्मीर प्रशासन ने अपनी वेबसाइट पर इस प्लॉट की जानकारी नहीं दी हैं परन्तु ऐसा ही एक मामला श्रीनगर में भी सामने आया है जहां फारुक अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस का दफ्तर है, जिसमें नवाए सुबह नामक एक ट्रस्ट का ऑफिस भी है।

जहां वर्ष 2001 में जमीन की कीमत डेढ़ करोड़ रुपए थी लेकिन मात्र 58 लाख रुपए जमा कर जमीन हमेशा के लिए नवाएसुबह ट्रस्ट के नाम करवा दी गई, जिसमें ऐसा करने में रोशनी एक्ट का इस्तेमाल किया गया लेकिन आज इस जमीन की कीमत करीब 25 करोड़ रुपए है। हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस का कहना है कि उन्हें जो कीमत सरकारी विभाग ने वर्ष 2001 में बताई थी, वही जमा करके इस जमीन का मालिकाना हक हासिल किया गया था।

जमीन के मार्केट रेट और सरकार को दिए गए पैसे के अंतर में ही रोशनी घोटाला छिपा है, आरोप है कि सरकार मे बैठे लोगों ने एक्ट बनाया और फिर महंगी जमीनों के सरकारी रेट बेहद कम करवा दिए व जमीनें कम कीमत पर खरीद लीं। जिससे सरकार को घाटा हुआ और घोटालेबाजों को फायदा। यह कहने में कोई संदेह नहीं है कि रोशनी एक्ट के नाम पर कानूनी तरीके से गैरकानूनी काम किया जा रहा है।

हाई कोर्ट के रोशनी एक्ट को असंवैधानिक बताया गया है व सीबीआई जांच के आदेश भी दिए हैं जिसमें बड़े बड़े लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। वैसे भी इन दिनों गुपकार गैंग जिस तरह से अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए सक्रिय है, उससे साफ है कि यह लोग अपने वही दिन वापस चाहते हैं जिससे यह सरकारी जमीनों पर कब्जा कर सकें, राज्य के संसाधनों को लूट सकें, सरकारी बंगलों और सिक्योरिटी का इस्तेमाल कर सकें लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद शायद उनकी कोई चाल कामयाब नहीं होने वाली है तथा रोशनी घोटाले में जम्मूकश्मीर प्रशासन जैसे जैसे नाम सार्वजनिक कर रहा है वैसे वैसे नेशनल कॉफ्रेंस, पीडीपी, और कांग्रेस के नेताओं और उनके रिश्तेदारों के नाम सामने आने लगे हैं। कई सरकारी अधिकारी, व्यापारी और कारोबारियों के नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

वर्ष 2001 में जब रोशनी एक्ट बना था तो तब जमीन पर कब्जे का कट ऑफ ईयर 1990 रखा गया था लेकिन वर्ष 2005 में मुफ्ती मोहम्मद सईद की सरकार ने इस समय सीमा को बढ़ाकर वर्ष 2004 कर दिया था, जिसका मतलब है कि वर्ष 1990 से 2004 के बीच जिन लोगों ने सरकारी ज़मीन लीज़ पर ली उन्हें भी मालिक बनने का मौका मिल गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के बाद कांग्रेस को भी तब मौका मिला जब गुलाम नबी आज़ाद वर्ष 2005 में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री बने। वर्ष 2007 में गुलाम नबी आज़ाद ने जमीन पर कब्जे की सीमा बढ़ाकर वर्ष 2007 कर दी थी। जिसका स्पष्ट मतलब है कि जो भी सरकार में आया उसने अपने फायदे के लिए या अपने लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए एक्ट में संशोधन किया एंव वर्ष 201314 में ष्र्त्त की रिपोर्ट में भी यह खुलासा हुआ था कि जम्मू कश्मीर सरकार ने इससे कमाई का 25 हजार करोड़ रुपए का जो लक्ष्य रखा था, उससे सरकार को सिर्फ 76 करोड़ रुपये की कमाई हुई और जम्मू कश्मीर में रौशनी फैलाने के नाम पर भ्रष्टाचार का अंधेरा फैला दिया गया।

निधि जैन
लोनी (गाजियाबाद)।
www.womenexpress.in

अमेरिका के नए राष्ट्रपति जो बाइडेन

77 वर्ष के जो बाइडेन का राजनीतिक कैरियर पांच दशक यानी 50 वर्ष से भी ज्यादा पुराना है। वे 1973 में पहली बार अमेरिका के सांसद बने थे। जो बाइडेन का जन्म 20 नवंबर 1942 को पेंसिल्वेनिया के स्क्रैंटन में हुआ था। जो बाइडेन का पूरा नाम जोसेफ रॉबिनेट बाइडेन जूनियर है। इन्हें मिडिल क्लास जो भी कहा जाता है।क्योंकि इनका जन्म एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ और उन्हें अपने जीवन की जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा है। जो बाइडेन चार भाईबहनों में सबसे बड़े हैं। दस वर्ष की उम्र में जो बाइडेन अपने परिवार के साथ डेलावेयर में शिफ्ट हो गए थे। बचपन में जो बाइडेन बहुत हकलाते थे जिसके कारण उनके सहपाठी उन्हें चिढ़ाया करते थे। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने यूनिवर्सिटी आफ डेलावेयर से पॉलिटिकल साइंस और इतिहास की पढ़ाई की। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान बहामास में छुट्टियों के समय उनकी मुलाकात अपनी पहली पत्नी नीलिया हंटर से हुई। 25 वर्ष की उम्र में वे राजनीति में आए और 29 वर्ष की उम्र में उन्होंने सीनेट का चुनाव लड़ा।

18 दिसंबर 1972 को उनके जीवन में एक बहुत बड़ी दुर्घटना हुई। एक कार एक्सीडेंट में उन्होंने अपनी पत्नी और 13 महीने की बेटी को खो दिया। उनके बेटे बो और हंटर भी इस दुर्घटना में बुरी तरह घायल हुए थे किंतु इसके बावजूद उन्होंने सीनेट का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।

5 जनवरी 1973 को उन्होंने अस्पताल के बेड से ही डेलावेयर के सांसद के तौर पर शपथ ली तब उनके दोनों बेटे भी उनके साथ अस्पताल में ही भर्ती थे। वे इतनी कम उम्र के गिनेचुने सांसदों में से एक थे।

पत्नी की मृत्यु के बाद वे अपने बेटों को ज्यादा से ज्यादा समय देना चाहते थे इसलिए वो ट्रेन के जरिए रोज डेलावेयर के वेल्मिंटन से वाशिंगटन तक का 179 किलोमीटर लंबा सफर तय किया करते थे। वह 30 वर्ष तक इसी प्रकार ट्रेन से वाशिंगटन डीसी जाते रहे। परिणाम स्वरूप इस रूट पर कार्य करने वाले रेल के कर्मचारी उनसे इतना घुल मिल गए कि जो बाइडेन अक्सर उन लोगों के साथ ट्रेन में ही पार्टी किया करते थे। जो बाइडेन के नाम पर वेल्मिंटन के रेलवे स्टेशन का नाम भी उन्हीं के नाम पर जो बाइडेन स्टेशन रख दिया गया था। जो बाइडेन पिछले 33 वर्षों से अमेरिका का राष्टपति बनने की कोशिश कर रहे थे। वर्ष 1987 में वे राष्टपति के उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए किंतु किसी दूसरे नेता के भाषण की कॉपी करने का आरोप लगने पर उन्हें उम्मीदवार का पद छोड़ना पड़ा। वर्ष 2007 में वो अमेरिका का राष्टपति बनने की रेस में पुनः शामिल हुए किंतु फिर उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली, लेकिन इस बार बराक ओबामा के साथ 47 वें उपराष्टपति बनकर व्हाइट हाउस पहुंचने में वो सफल हुए।

बाइडेन का 47 वर्ष पुराना कैरियर विवादों से भरा रहा है। वर्ष 1978 में उन्होंने एक विवादित कानून का समर्थन किया था और वर्ष 2002 में उन्होंने इराक युद्ध के समर्थन में अपना वोट डाला था, हालांकि इस साल उन्होंने इसे अपनी गलती माना है। उन्हें क्रीपी जो कह कर भी बुलाया जाता है। क्रीपी गलत व्यवहार करने वाले व्यक्ति को कहते हैं। बाइडेन पर भी कई महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप लग चुके हैं। वर्ष 1978 में उन पर रंगभेदी होने के भी आरोप लगे थे और वर्ष 1994 में उन्होंने अपराध रोकने के लिए एक विवादित कानून का समर्थन किया, जिसके बारे में कहा जाता था कि इसके जरिए अश्वेतों को निशाना बनाया जाएगा। अमेरिका के 46वें राष्टपति के रूप में चुने गए जो बाइडेन वर्ष 2008 में उपराष्टपति बनने से पहले भारत के साथ मजबूत संबंधों के पक्षधर रहे हैं और अमेरिका की विदेश मामलों की कमेटी का चेयरमैन रहते हुए उन्होंने भारत के साथ संबंधों को लेकर एक विशेष रणनीति भी बनाई थी। वर्ष 2006 में उन्होंने यहां तक कहा था कि उनका सपना है कि वर्ष 2020 तक भारत और अमेरिका सबसे गहरे मित्र बन जाएं। ये बातें उन्होंने तब कही थीं जब वह अमेरिका के उपराष्टपति भी नहीं बने थे। वर्ष 2008 में भारत और अमेरिका में होने वाली न्यूक्लियर डील में भी जो बाइडेन की बड़ी भूमिका थी, इसके लिए उन्होंने न सिर्फ बराक ओबामा को तैयार किया था जो उस समय सांसद थे बल्कि इसके लिए उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों को भी राजी किया था। बाइडेन और ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिका ने पहली बार भारत को अपना बड़ा डिफेंस पार्टनर माना और इसी वजह से भारत को रक्षा के क्षेत्र में नई और एडवांस टेक्नोलॉजी मिलने की राह आसान हुई। पहली बार अमेरिका ने नाटो के बाहर किसी गैर नाटो देश को ये दर्जा दिया था। वर्ष 2016 में जब जो बाइडेन अमेरिका के उपराष्टपति बने तब भारत और अमेरिका के बीच लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरैंडम ऑफ एग्रीमेंट हुआ था, जिसके बाद अमेरिका और भारत एक दूसरे के रणनीतिक सहयोगी बन गए थे। इस समझौते के बाद भारत और अमेरिका को एक सप्लाई सर्विसिंग और स्पेयर पार्ट्स के लिए एक दूसरे के मिलिट्री बेस इस्तेमाल करने की इजाजत मिल गई थी।

रंजना मिश्रा
कानपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

एक अनोखा रिश्ता

प्रिया और रानी दोनों पक्की सहेलियाँ है। दोनों एक ही स्कूल एक ही क्लास में हैं और दोनों का घर भी आसपास है, जिसकारण स्कूल के साथसाथ बाकी का भी अधिकतर समय दोनों का एक साथ ही गुजरता है। रानी और प्रिया एक ऐसे समाज मे रहती है, जो पुरूष प्रधान है। जहाँ स्त्री का कोई महत्व नहीं है, उसके जज़्बातों और इच्छाओं का तो कोई भी मोल नहीं। स्त्रियों को गायभैंस जानवर से ज्यादा नहीं आंका जाता। रानी और प्रिया ने हमेशा अपनी माँ, बहन, भाभी तथा अन्य अड़ोसपड़ोस की स्त्रियों को घरेलू हिंसा का शिकार होते देखा था। मार खाना, शोषित होना तो उनकी दिनचर्या में शामिल था। रानी की माँ का देहांत भी शराबी पिता की मार से ही हुआ था। रानी और प्रिया को भी कितनी ही बार अपनी इच्छाओं का हनन करना पड़ता। वो दोनों ऐसे माहौल में नहीं रहना चाहती पर उनके पास और कोई अन्य मार्ग भी नहीं था। प्रिया पढ़ने में बहुत अच्छी थी। वह पढ़लिखकर अपनी स्थिति सुधारना चाहती थी। लेकिन रानी का मन पढ़ाई में नहीं लगता था।

दोनों ने अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी की और कॉलेज में दाखिला लिया। कुछ ही समय के बाद बालिग होते ही उनकी शादी की चर्चाएं चलने लगी। रानी के पिता ने कॉलेज का तीसरा साल पूरा होने से पहले ही उसके हाथ पीले कर दिये। और प्रिया ने अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद दिल्ली की एक कंपनी में जॉब के लिए आवेदन दे दिया, और उसे वो जॉब मिल भी गई। प्रिया के दिल्ली जाने पर भी पिता व भाई ने बहुत रोक लगाई लेकिन प्रिया इस माहौल से बस दूर जाना चाहती थी, उसे ऐसा मौका शायद ही मिलता। इसीलिए प्रिया ने एड़ीचोटी का जोर लगा दिया और लड़झगड़ कर दिल्ली चली गई। काफी समय बीत जाने के बाद एक दिन प्रिया की माँ ने फोन पर बताया कि रानी अस्पताल में भर्ती है। बेटी का जन्म होने के कारण उसके पति ने उसे मारमारकर अधमरा कर दिया। हालत बहुत गम्भीर है। यह सुनते ही प्रिया के आँखों के सामने अंधेरा छा गया। उसने फौरन ही टिकट कराया तो एक सप्ताह बाद का टिकट मिला। एक हफ्ते बाद वो गांव पहुँचकर रानी से मिली। दोनों बचपन की सहेलियाँ एकदूसरे को देखकर फूटफूटकर रोने लगी। रानी की हालत देखकर प्रिया ने फैसला किया कि वो रानी को और उनकी बेटी को अपने साथ ले जाएगी, लेकिन परिवार वाले नहीं मानेंगे इस डर से उन्होंने चोरीछुपे ही भागजाने का निर्णय लिया। और उसी रात वो तीनों दिल्ली चले आए। प्रिया ने घर पर एक चिट्ठी छोड़ दी, जिसमें लिखा था कि मैं रानी और उसकी बेटी को अपने साथ ले जा रही हूँ और अब कभी वापस नहीं आऊंगी। कई साल बीत गए है। प्रिया, रानी और उसकी बेटी पिंकी तीनों साथ में रहते हैं।

सोनल ओमर
कानपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

भारत की नारी

तू कली नहीं फुलवारी है, तू
तो भारत की नारी है।
मोह जाल को त्याग अभी तुम,
अपना असली रूप दिखा
जो तुझे जलाने को
निकले,उनको पहले ही जला डालो,
तू आग नहीं चिंगारी है ,तू तो
भारत की नारी है।

मत ऐसे पुत्रो को पैदा कर,
जिससे अपनी कोख कलंकित हो
यदि भटक गई औलाद
कोई,तो खुद ही खंजर पार करो,
तुम ही तो जग कल्याणी हो,
तुम दुर्गा हो
तुम काली हो, तुम तो भारत
की नारी हो ।

अब और नहीं डर के जियो,
अब और नहीं मर के जियो,
अब खंजर से श्रृंगार करो अब
,भाल कृपाण के साथ चलो। अब
वार न तेरा खाली हो तू तो भारत
की नारी हो।

एक अटल प्रतिज्ञा धारण कर,
मर्यादा का पालन कर
घर गली मुहल्ले चौराहों पर बैठे
निकम्मों दुष्टों की पहचान करो ,
जो कहीं दिखे अमर्यादित,
निर्भय हो खंजर पार करो ,
तू दुष्ट दलन संघारी हो, तू तो
भारत की नारी हो।

सारिका, जागृति
ग्वालियर(मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

लालच की उपज हुई

ईर्ष्या का बीज जो बोये,
उपज करें जो किसान।
जग भी बैरी बना, मिट जाये सम्मान।
कर्म से जितना जिनको मिला,
मन में बसे शांति जब सुख।
ईर्ष्या जलन न उपजता,
भस्म हो जाये दुःख।
रागद्वेष है हृदय में चुभती,
चैन नींद फिर और कहाँ।
बर्तन भी गूंजने लगा,
हृदय की डाह जलन वहाँ।
धुआँ धुआँ सा भरमार,
हवा भी चलने लगा।
चिंगारी उठाने लगी, और आग लगने लगा।
ईर्ष्या जिसके मन भरा,
जलने की एहसास।
सारी हेकड़ी जल गई,
बचा न कुछ भी पास।
तृष्णा मन की लालसा,
मन को करे लाचार।
लालच की उपज हुई,
उपजत कुसंगति विचार।
कितने मनसा हृदय में,
घर बैठे है देखे आज।
लाचारी की आड़ में,
करते न कोई काज।
भूख उदर में कसकती,
सहन की हदे पार।
जिह्वा को स्वादन का, कैसे करें विचार।
भूख मन मे हिलते,
तन को भी हिलाय।
दावत मुफत पेटभरा, ऊँगली चाट खाय।
पेट भी कैसा पलता, हाथ पैर पे आश।
धैर्य से संचालित करें,
बुद्धि रखें जो पास।

दिव्यानंद पटेल
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

जीवन एक संगीत

जीवन एक संगीत है इसको
गुनगुनाइए
लाखों उलझनें हो मगर हँसकर
सुलझाइए
कमल कीचड़ में भी रहकर
अपनी सुन्दरता ना खोता
गुलाब काँटों में भी रहकर
मुस्कुराना ना भूलता
दामन से काँटे चुनचुनकर
जीवन को सफल बनाइए
जीवन एक संगीत है इसको
गुनगुनाइए !!
अंगारों से भरी राहों से
गुज़रकर उँचाइयों पर पहुंचिए
अंधेरों में तीर रोशनी के
चलाकर सूरज जैसा चमकिए
नई कल्पनाएं करने का संकल्प
लेकर स्वप्न उड़ान भरिए
शून्य से शिखर तक चलकर
खुद को तराशिए
जीवन एक संगीत है इसको
गुनगुनाइए !!
झंझावतों में भी फँसकर बिना
झुके अडिग रहिए
पारदर्शिता हो जीवन में दुर्गण
को दूर भगाइए
जो नयनों में पलते हैं उन
सपनों को पुरा कर जाइए
सुन्दर सुवासित संस्कारों से
पुष्प गुच्छ सजाइए
जीवन एक संगीत है इसको
गुनगुनाइए !!

आभा सिंह
लखनऊ, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

नयी सुबह होने को है

वैसे होने को कुछ हुआ भी नहीं,
जो है उसे दुरुस्त भी नहीं
कह सकते।
इन दिनों का पार्श्वसंगीत कुछ,
भयभीत करने वाला सा है।
हरी भरी खुशी नंगे पैर चुपचाप,
जैसे कहीं निकल गई हो,
यूँ गर्क़ हो रहे जैसे बीहड़ में,
रास्ता भूल गए हों।
मन की भावधारा में उबरने की,
संभावनाएँ लहक लहक
डूबती जा रहीं,
डूब रही न केवल उम्मीदें
अपितु हृदय भी डूब रहा,
वेंदना संवेदना सब विह्वल
हुआ है!
परन्तु आशावान होने का
बड़ा फायदा भी है,
की इंसान डूब कर,
उभरता है,और मर कर भी
नही मरता है।
तो सबेरा होने को है
ज़रा हौसला और मजबूत करू की
नयी सुबह होने को है,
और हाँ सुनहरी किरण
सबसे पहले आँगन ही आएगी
दावा है मेरा,
तो सब बिखरने के बाद भी
समेट लिया मन को और इरादों को
की नयी सुबह होने को है।

डिम्पल राकेश तिवारी,
चौराहा, अयोध्या, उ0प्र0 ।
www.womenexpress.in

बूढ़े यौवन से प्यार करो

चन्दन वन से आती खुशबू
इक मृगतृष्णा है,
सर्प लटकते पाओगे, मत
उसमें अपने पाँव धरो,
जो तेरे द्वार में खड़े हुए, देता है
शुद्ध बयार सदा,
अंतर में अमृत रखते, उस
पीपल वट से प्यार करो।
बहुत लुभाते हैं मन को, गुलाब
गैर की बगिया के,
काँटों से दामन छलनी होगा,
उसका नहीं विचार करो,
जो स्वतः रोज बिछ जाते है,तेरे
क़दमों की आहट से,
अपने आँगन में खिले हुए, उस
गुलमोहर से प्यार करो।
हर रात रौशनी से जगमग,
यौवन के पीछे मत भागो,
सुंदर चेहरा छल कर जाता है,
मन दर्पण से पहचान करो,
वो सरल हृदय जो रंग नही
पायी, चाँदी से केशों को,
घर के कामों में व्यस्त रहे, उस
बूढ़े यौवन से प्यार करो।।

नीलम द्विवेदी
रायपुर छुतीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

खुद को ही बदल डालों

अगर बदलना ही चाहते हो
कुछ तो खुद ही बदल डालों,
उतार दो चादर अहम की जैसे
हो वैसे ही नजर आओ।

बहुत दिखावा हो गया अब
असलियत ही सबको दिखाओं,
कब तलक चलेगा फरेब अब
उम्र रहते ही संभल जाओ।
किस किस से तुम अपनी
असलियत छिपा पाओगे,
हर आँख तुम पर लगी है अब
असंभव है कि बच पाओगे।

समय से समय पर यह बात
तुम भी समझ जाओगे,
कोई नही यहाँ अपना यह सच
एक दिन जान जाओगे।

तुम ही हो सबसे बेहतर यह
गलतफहमी भी कभी न पालो,
अगर बदलना ही चाहते हो
कुछ तो खुद को ही बदल डालों।

अभिषेक शुक्ला
सीतापुर ।
www.womenexpress.in

जाड़े की धूप

बड़ी ही प्यारी लगती हैं
ये जाड़े की धूप
हर किसी का होता मन हर्षित
जब आ जाती, जाड़े की धूप

अंगना में आती
खेत खलिहानों में आती
खुशियाँ ही खुशियाँ होती चहुँओर
जब आ जाती, जाड़े की धूप

खुशनुमा सा हो जाता जहाँ
खिलखिला जाते कपड़े
जब पडती उन पर भी
जाड़े की धूप
खाने का भी स्वाद बढ़ाती
हर चीज़ को जायकेदार बना देती
जब आ जाती, जाड़े की धूप

गुनगुना गुनगना सा हो जाता मन
खिलखिला उठता सारा चमन
आ जाती बहारे सखि
बगियन में भी
जब आ जाती, जाड़े की धूप

जाने कैसे कितने पल बित जाते
समय का भी कुछ् खयाल न रहता
घंटो भर बैठे रह जाते
जब आ जाती, जाड़े की धूप।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

शहर अंजान सा है

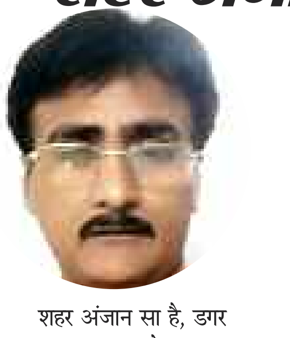

शहर अंजान सा है, डगर
सुनसान सा है ,
मुसाफ़िर साथ मग़र , सफ़र
श्मशान सा है ।
अजब सी धुंध चेहरों पर ,
अंदर तूफान सा है ,
हर एक शख्स शहर का , बहुत
परेशान सा है ।
साँस चल रही है सबकी मग़र
शरीर बेजान सा है ,
बिक रहे हैं रिश्ते चौराहों पर ,
शहर दुकान सा है ।
शराफत का लबादा तन पर ,
लगता इंसान सा है ,
हँस कर बात करता है जब ,
लगता बेईमान सा है ।
हर गली में शीशमहल यहाँ,
लगता मकान सा है ,
चिलमनों के ओट में धोखा ,
हर कंधा पायदान सा है ।
इश्क़ की कदर नही, हर दिल
सामान सा है ,
शहर का ईमान भी यहाँ , एक
एहसान सा है ।
शहर अंजान सा है , डगर
सुनसान सा है ,
मुसाफ़िर साथ मग़र , सफ़र
श्मशान सा है ।

सुभाष चंद्र झा
जमशेदपुर, झारखंड ।
www.womenexpress.in

बेटी बचाओं

बेटी बचाओं ओ दुनिया वालो
बाबुल करता है अब ये गुहार
दुनिया रहेगी जब होगी बेटी
कहती है ये माँ की पुकार

खिल जाते है मन सभी के
बिटियाँ हो हर घर सभी के
दुःख दूर होगा सुख होगा पास
बस करना तुम सबपे ये उपकार
बेटी बचाओं ....
पायल बजेगे हर घर अंगना
बिटियाँ से घर ना होगा सुना
माँ अब अभी ना होना उदास
होगी रोनक बिटियाँ से हर द्वार
बेटी बचाओं ...

अब कभी गीत होंगे ना सुने
श्रृंगार को कोई अब ना छीने
ऐसा संकल्प लेवे सब हम आज
बिटियाँ करे इस जग पर राज
बेटी बचाओं ...

संजय वर्मा
125, शहीद भगत सिंग मार्ग
मनावर (धार)मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

अदा तुम्हारी थी

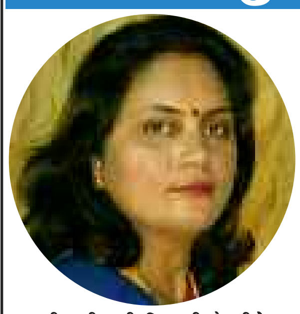

हमारी दबी दबी सिसकी के पीछे,
एक बेजुबान सिसकी तुम्हारी थी।

हमें दूर खिलखिलाते देख,
होठों पे मीठी मुस्कान तुम्हारी थी।
तुम भी तो ढूँढा करते थे उतना
ही हमें,
जितनी हमें तलाश तुम्हारी थी।
नहीं हो सकते नाराज़ चाहकर भी,
मान लो चाहे ये भूल मेरी और
तुम्हारी थी।

मेरी नाराज़गी ज़रा सी पर,
बड़ी भारी तल्खी तुम्हारी थी ।

हम मर मिटे जिस पर जीते जी
अब जाना,
महज दिलफेंक वो अदा तुम्हारी थी।

अनिता जैन वीकेंड शायर
जोधपुर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

दुख दर्द भी अपने होते

जीवन में आते हैं, उतार चढ़ाव,
दुख दर्द भी हर जगह लेते है पड़ाव.
होता बेबस दर्द के आगे
कितना इंसान
चिंता में रहकर खो देता है
अपना स्वप्न
कुदरत का यह है विधान, नही
है स्थायी कोई
दुख दर्द को झेल कर, भूल
जाते, कहाँ संग सदा रहता कोई.
समझ नही पातें, दुख दर्द भी
अपने होते.
कभी राजा कभी रंक सभी है जुझते,
अरमानों को पूरे करने में हरदम पीसते
सुख दुःख की छांव में, निरतंर चलते,
दुखों के बादल जब मंडराते,
दुखी होते जाते
समझ नही पातें, दुख दर्द भी
अपने होते.
खोकर अपना सबकुछ, हो
जाते परेशान,
पल पल होते मायूस और घर
बना देते वीरान
संघर्ष में रहकर तप जाते , नाम
खूब कमाते
उलझनों से सीख वे नित नई
हमेशा पा लेते.
फिर भी जीवन की आपाधापी
में भूल जाते,.
समझ नही पातें, दुःख दर्द भी
अपने होते
अपनों को छलने में वक्त वे
नहीं लगाते,
जहाँ है नहीं जाना वहाँ वे खूब
चले जाते
अपनेपन का नही है कोई नामों
निशान यहाँ
संग हंसकर रहते थे , सदा
होता था विश्वास जहाँ
कभी खुशियाँ समाए नही
समाती आंचल में
कभी दुखों का कोई अंत नही,
जगत में
समझ नहीं पाते दुख दर्द भी
अपने होते.

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान.
www.womenexpress.in

बात

आंखो मैं कुछ गहरी बात हैं,
सोचती हूं कह दूँ।
दिल मैं जमे ज्जबात हैं,
सोचती हूं कह दूँ।
लू के थपेड़े हैं इस गर्मी में,
सोचती हूं कोई सर्द बात
कह दूँ।
जीवन का लंबा सफ़र,
आपाधापी से भरा,
सोचती हूं छोटी सी कोई बात कह दूँ।
क्यों नहीं सुन पाती,
आपनी ही बात मैं,
इस बार खुल के, हर बात कह दूँ।
कह दूं हर बात जो दिल में हैं,
मन के सन्नाटे को खोल के,
खिलखिलाती सी कोई बात
कह दूँ।

दीक्षा सिह
नोएडा, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा

अगर घर के हेड हो, जवाबदार हो।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा।।
पति पत्नी बजुर्ग बच्चों की
सेवा करते हो।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा।।
अगर समाज में हेड हो काम
करते हो।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा।।
अगर दुकानदार हो ईमानदारी
से करते हो।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा।।
सर्विस में हो भरपूर सेवा करते हो।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा।।
मठ मंदिर गुरुद्वारे मस्जि़द में
सेवा करते हो।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा।।
सच्चाई, ईमानदारी मेहनतगिरी
भरी हैं।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा।।
संतुष्टी, समग्रता, सम्मपनता,
पाना है।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा।।
चार बातें तो सुनना ही पड़ेगा

एड किशन
भावनानी, गोंदिया, महाराष्ट ।
www.womenexpress.in

जीवन तो उत्सव सा

कभी नफरत का होता द्वन्द्व
तो कभी लगा देता प्रतिबंध
कभी करता प्यार में नजरबंद
तो कभी जीवन फूलों का सुगंध ।

कभी सावन की पहली फुहार
तो कभी दामिनी की हुँकार ।
कभी बहुरिया के पायल की झंकार
तो कभी प्रलयंकारी इसका व्यवहार।।

कभी सहज पवन का झोंका
तो कभी शीतलहरी बन रोका
कभी विशाल पर्वतों की रूपरेखा ,
तो कभी कड़क कड़वाहटों को देखा ।

कभी शहदसा जी ललचाता
तो कभी नमकीन अश्रु ढरकाता।
जीवन उत्सव बहुत कुछ सीखाता,
दुखसुख देकर सच्चा पाठ पढ़ाता ।।

जीवन बहुत कुछ सीखाता
कभी जीताता तो कभी हराता ।
नटखट जीवन बड़ा सताता,
कभी हँसाता तो कभी रूलाता ।।

जीवन को जो उत्सवसा जीता
सच्चे जीवन काआनंद उठाता
वही जीते जी इतिहास रच जाता
मृत्यु पश्चात मालिक को भी
वह भाता ।

स्वाति पाण्डेय
कोलकाता, पश्चिम बंगाल।
www.womenexpress.in

जिंदगी से संघर्ष

इस साल प्रकृति ने कुछ ज्यादा ही कहर बरपाया। पिछले वर्ष तो बाढ़ से कुछ फसल बच गई थी, लेकिन इस साल सब कुछ बह गया। बेचारे देवीदीन चिन्ताग्रस्त टूटी खटिया पर पड़े पड़े सोच रहे थे। कितना मंहगा बीज खरीदा, कितने कितने मंहगें नामी कीटनाशक फसल में डाले, साहूकार से लिया सारा ऋण फसल में लगा दिया। बीवी बच्चों के लिए उस पैसे से एक रुपये का लत्ता (कपड़ा) तक न खरीदा इस साल कैसे गुजारा होगा। बूढ़ी माँ की दवा का खर्च, बच्चों की पढ़ाई का खर्च, बिजली का बिल और ऊपर से साहूकार का पांच प्रतिशत वाला ब्याज और तमाम छोटे बड़े खर्च... सोचकर ही देवीदीन की आत्मा कांप उठी। सारी रात करवटें बदलते हुए गुजारी सुबह तड़के देवीदीन खेतों की ओर निकल गये। घने पेडों में जाकर एक पेड़ के मजबूत से तने से गमछा बांधने लगे। फंदा तैयार बस झूलने ही वाले थे कि उधर से गुजर रहे मातादीन की निगाह देवीदीन पर पड़ गई। समय रहते देवीदीन जी बच गए मातादीन ' मुझे पता है देवीदीन, कि इस साल तुम्हारा सबकुछ खत्म हो गया, ऊपर से तमाम कर्ज। लेकिन मेरा क्या बचा है। मेरी भी तो सारी फसल बह गई। कर्जा तुमने लिया है तो क्या मैंने

नहीं लिया। तुम्हारे घर में तमाम समस्या हैं तो क्या मेरे घर में नहीं हैं । लेकिन मुझे देखो... मैं कायर नहीं हूँ, जिंदगी से जंग लड़ रहा हूँ। जो होगा सो देखा जायेगा। जीवन का सारा भार परमेश्वर के ऊपर छोड़ दिया है। परिवार में चौबीसों घंटें कलह होती रहती है । पत्थर बनकर सब सह जाता हूँ। मेरे भाई मौत तो एक दिन आनी ही है, लेकिन इसतरह अपने आपको समय से पहले खत्म कर लेना जीवन की सबसे बड़ी कायरता है देवीदीन मातादीन की बातों को समझ गये। उनके मृतप्राय हृदय को संजीवनी मिल गई। देवीदीन ने आत्महत्या करने का विचार अपने मन से हमेशा हमेशा के लिए खत्म कर दिया और जिंदगी से संघर्ष का संकल्प लेकर घर की ओर चल पड़े।

मुकेश कुमार ऋषि वर्मा
फतेहाबाद, आगरा ।
www.womenexpress.in

मेरी बेटी

हर दुःख सहती हूं , फिर भी मैं
चुप रहती हूं बेटी हूं तो क्या हुआ ,
देकर लौ अपनी दो घरों
के दीप रौशन करती हूं स्र

बिन बेटी के मन बेकल है ,
बेटी से ही घर रौशन है
बेटी नैनों की ज्योति है, सपनों
की अंतरज्योति है
रिद्धिसिद्धि , शांति क्रांति ,
शक्तिस्वरूपा है
मां हूं तो क्या हुआ , पहले तो
मैं एक बेटी हूं
माना वो पैदाईश है एक नफरत
भरे पल की
शराब की बू की, मन मसोस
कर बिछी एक चादर
की तरह उस रात की , कैसे
लताड़ दूं कोख अपनी
कैसे दूं मैं मरने कटने उसको,
मेरे दिल का टुकड़ा है
वो मेरे तन का हिस्सा है वो ,
कैसे छोड़ दूं मैं कचरे के ढेर पे
उसको,
मेरा ही किस्सा है वो । नहीं
आती घिन्न मुझसे उससे
ग़र मैं हूं धरा तो वो बीज है
मेरा , मैं हूं निर्झरणी तो
वो नीर है मेरा ।

शूरवीरों की मांओं नाज़ करो
बेशक शूरवीरों पर
जब ना होंगी क्षत्राणियां तो
शूरवीर कहां से जाएंगे
प्यार की डोरियां बांधे बेटी ,
रिश्तों के फूल खिलाए बेटी
दें कर लौ अपनी दो घरों के
दीप जलाए बेटी ,
मेरे लिए फेयरी का रूप है वो,
कड़कती ठंड में सुहानी
धूप है वो ।
जीने का हक दूंगी उसे मैं ,
उड़ने को पंख दूंगी मैं उसे ।

प्रेम बजाज
जगाधरी (यमुनानगर)।
www.womenexpress.in

जीवन चक्र

समय के साथ, जिंदगी चलती है
कब फंस सी जाती है
हम बेखबर
तकलीफें आ ही जाती है
नाम ही जीवन का
कशमकश है
या कहें तो एक
उलझन सी है जिंदगी
हम हल करने
में ही हमेशा रहते
जीवन के सवालों को
कभी जवाब पाते है
कभी युही मायूस हो जाते है
जब सवालों के
घेरे में निकल नही पाते है
इसी उधेड़बुन में जीवन का
पहिया चलता रहता है
एक उलझन सुलझती नहीं कि दूसरी
हमे तैयार खड़ी मिलती है
साथ रहती है, साथ चलती है हरदम
सच कहे तो ज़िंदगी की उलझनें
सुलझती ही नहीं कभी
इन उलझनों को सुलझाने के
चक्कर में
हम और भी उलझते जाते हैं
एक धागा सुलझाते हैं
कि कोई दूसरा उलझ जाता है।
उलझनें हमे उलझाती हैं
अक्सर हमारे मन को भटकाती है
कभी इधरएकभी उधर
मानो किसी भंवर में फंसी हो जैसे
और किनारे लगने को आतुर
हमारा मन
भटकता रहता है हर घड़ी
किसी नाव सा मार्ग खोजने को
तत्पर
क्षण में पास होता है तो
दूसरे ही क्षण चला जाता है।

मुकेश बिस्सा
गांधी कॉलोनी, जैसलमेर ।
www.womenexpress.in

खराब गेंदबाजी और स्टार बल्लेबाजों की नाकामी से पहला वनडे हारा भारत

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । खराब गेंदबाजी, लचर क्षेत्ररक्षण और कप्तान विराट कोहली समेत स्टार बल्लेबाजों के नाकाम रहने के कारण भारत को शुक्रवार को पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलिया ने 66 रन से हरा दिया। वहीं आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान आरोन फिंच और स्टीव स्मिथ के शतकों के बाद एडम जाम्पा और जोश हेजलवुड ने शानदार गेंदबाजी करके भारत पर पूरे मैच में दबाव बनाये रखा। कोरोना महामारी के बीच दर्शकों की स्टेडियम में वापसी वाले इस मैच में आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सपाट पिच पर छह विकेट पर 374 रन बनाये । जवाब में भारतीय टीम आठ विकेट पर 308 रन ही बना सकी जिसमें हार्दिक पंड्या ने 90 रन का योगदान दिया। आस्ट्रेलियाई कप्तान फिंच ने आईपीएल के अपने खराब फार्म को तिलांजलि देकर 17वां शतक जमाया। वहीं स्मिथ ने भारतीय

गेंदबाजों को नसीहत देते हुए एक दिवसीय क्रिकेट में दसवां शतक जड़ा । आस्ट्रेलिया के लिये यह तीसरा सबसे तेज वनडे शतक था जो मात्र 62 गेंदों में बना। भारत ने शुरूआत काफी आक्रामक की । रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में पारी का आगाज करने उतरे मयंक अग्रवाल और शिखर धवन ने पांच ओवरों में ही 50 रन बना डाले लेकिन फिर भारत ने शीर्षक्रम के चार विकेट 48 रन के भीतर गंवा दिये। इनमें से तीन हेजलवुड ने और एक जाम्पा ने लिया । अग्रवाल 18 गेंद में 22 रन बनाकर छठे ओवर में हेजलवुड की गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल को कैच दे बैठे। भारत को सबसे बड़ा झटका दसवें ओवर में लगा जब कप्तान विराट कोहली ने हेजलवुड की गेंद पर ड्क्षफच को कैच थमाया । विराट ने 21 गेंद में दो चौकों और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाये । श्रेयस अय्यर (दो) हेजलवुड का तीसरा शिकार बने जबकि उपकप्तान के एल राहुल आईपीएल का अपना शानदार फार्म बरकरार नहीं रख पाये । उन्हें जाम्पा ने क्रीज पर पैर ही नहीं जमाने दिये और वह 12 रन बनाकर स्मिथ को कैच दे बैठे ।

इसके बाद धवन और पंड्या ने शतकीय साझेदारी की और एक समय लग रहा था कि ये दोनों भारत को जीत तक ले जायेंगे । ऐसे में जाम्पा ने अपने दूसरे स्पैल में धवन को पवेलियन भेजकर इस उम्मीद को भी तोड़ दिया ।

टाइटल चोरी पर करण जौहर ने मांगी माफी

मधुर भंडारकर ने दिया जवाब- ऐसे रिश्ते नहीं चलते

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 27 नवंबर । फिल्ममेकर करण जौहर ने फाइनली मधुर भंडारकर के टाइटल का गलत यूज के आरोप का जवाब दिया है। करण ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एकक लंबा नोट पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने मधुर से माफी मांगी है साथ ही कहा है कि उनका शो एकदम अलग होगा। बता दें कि मधुर भंडारकर ने आरोप लगाया था कि करण ने अपने अपकमिंग वेब शो के लिए उनके टाइटल 'बॉलिवुड वाइव्स' का गलत इस्तेमाल किया है। वहीं मधुर भंडारकर ने भी करण की माफी पर रिऐक्शन दिया है। करण ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा है, डियर फ्रेंड मधुर भंडारकर, हमारा रिश्ता बहुत पुराना है और इस एकजुट इंडस्ट्री का कई साल से हिस्सा रहे हैं। इस दौरान मैं आपके काम का प्रशंसक रहा हूं और हमेशा आपका

बेहतर चाहा है। उन्होंने यह भी लिखा, मुझे पता है कि आप हमसे नाराज हैं। बीते हफ्तों आपको जो भी कष्ट पहुंचा, हम उसके लिए माफी मांगते हैं। हालांकि मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हमने नया टाइटल 'फैब्युलस लाइव्स ऑफ बॉलिवुड वाइव्स' इस रिऐलिटी बेस्ट फ्रैंचाइजी के नॉनफिक्शन फॉर्मेट को ध्यान में रखते हुए चुना था। क्योंकि हमारा टाइटल अलग है, मुझे नहीं लगता कि इससे आपको नाराजगी होगी, अगर ऐसा है तो मैं आपसे माफी मांगता हूं। इसके अलावा करण जौहर ने मधुर भंडारकर को यह भी आश्वासन दिया है कि उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को करण के शो से कोई नुकसान नहीं होगा। करण ने बताया कि वह अपनी फ्रैंचाइजी को सिर्फ 'फैब्युलस लाइव्स' हैशटैग से सोशल मीडिया पर प्रमोट कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि उनके शो का फॉर्मेट, नेचर और ऑडिएंस मधुर के प्रोजेक्ट से एकदम अलग है और उनका प्रोजेक्ट बर्बाद करने की मंशा नहीं। मधुर भंडारकर ने बीते दिनों सोशल मीडिया पर इस मामले पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने लिखा था कि धर्मा प्रॉडक्शन को फिल्म का टाइटल छेड़छाड़ करके गलत तरीके से यूज करने के लिए कई नोटिस भेजे जा चुके हैं लेकिन ऑफिशल जवाब नहीं आया। करण का स्टेटमेंट आने के बाद मधुर भंडारकर ने जवाब दिया है।

रोहित पर फैसला 11 दिसम्बर को, इशांत टेस्ट सीरीज से बाहर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 27 नवंबर । सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की फिटनेस पर फैसला 11 दिसम्बर को उनके अगले फिटनेस टेस्ट के बाद लिया जाएगा जबकि तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्टों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने गुरूवार रात को जारी एक बयान में रोहित और इशांत की फिटनेस पर ताजा जानकारी देते हुए बताया कि रोहित बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उनका अगला आकलन 11 दिसम्बर को किया जाएगा जिसके बाद ही बीसीसीआई रोहित की 17 दिसम्बर से शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज में भागीदारी पर कोई फैसला लेगा। जय शाह ने बताया कि रोहित आईपीएल में अपनी टीम मुंबई इंडियंस को पांचवीं बार चैंपियन बनाने के बाद अपने बीमार पिता को देखने के लिए मुंबई आ गए थे। उनके पिता की

हालत में अच्छा सुधार हो रहा है जिससे उन्हें एनसीए की यात्रा करने और अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करने की अनुमति मिल गयी। बीसीसीआई ने बताया कि जहां तक इशांत की बात है तो वह अपनी पसलियों के खिंचाव से पूरी तरह उबर चुके हैं लेकिन टेस्ट मैच फिटनेस हासिल करने तक इशांत बॉर्डरगावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। इससे पहले तक खबर आ रही थी कि रोहित और इशांत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट से बाहर हो गए हैं। रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से और इशांत पसलियों में खिंचाव की परेशानी से उबर रहे हैं। दोनों को यह चोट यूएई में आईपीएल के दौरान लगी थी। इशांत तो आईपीएल बीच में छोड़कर स्वदेश लौट आये थे जबकि रोहित अपनी टीम मुंबई इंडियंस को पांचवीं बार आईपीएल चैंपियन बनाकर स्वदेश लौटे थे। दोनों बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे। बीसीसीआई के ताजा बयान के आधार पर यह माना जा सकता है कि रोहित का भी टेस्ट सीरीज में खेलना संदेहास्पद हो गया है।

छत्रपति के रीमेक के साथ बॉलीवुड डेब्यू करेंगे बेलमकोंडा साई श्रीनिवास

मुंबई, 27 नवंबर । तेलुगु स्टार बेलमकोंडा साई श्रीनिवास दिग्गज निर्देशक एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित प्रभास स्टारर मेगा हिट छत्रपति के रीमेक के साथ बॉलीवुड डेब्यू करेंगे। पेन स्टूडियोज द्वारा निर्देशित यह बॉलीवुड प्रॉजेक्ट डॉ. जयंतीलाल गडा द्वारा निर्मित होगा और फिल्म के लिए बेलमकोंडा को पहले ही साइन कर लिया गया है। बेलमकोंडा श्रीनिवास बेहद कम समय में टॉलीवुड के साथ जुड़ने वाला एक नाम बन गए है और यूट्यूब पर उनकी फिल्में धूम मचा रही हैं। बेलमकोंडा ने 2014 में एक

सुपरहिट एक्शन एंटरटेनर अल्लुडु सीनू के साथ शुरूआत की थी और उसके बाद प्रसिद्धि से आसमान छू लिया। पेन स्टूडियोज के एमडी और अध्यक्ष डॉ. जयंतीलाल गाडा ने प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा, छत्रपति एक बेहतरीन स्क्रिप्ट है और इसे बॉलीवुड में ले जाने के लिए हमें एक दक्षिणी स्टार की जरूरत थी और इसके लिए हमें बेलमकोंडा परफेक्ट फिट नजर आये। हम इस परियोजना के बारे में बहुत उत्साहित हैं, और सब कुछ एक अच्छी गति में अपनीअपनी जगह पर फिट हो रहा है। हमने बॉलीवुड की संवेदनशीलता से मेल खाने के लिए स्क्रिप्ट को अपडेट किया है।

कपल थेरेपी के लिए जाते हैं निक्की बेला, आर्टेम चिगविंटसेव

लॉस एंजेलिस । अभिनेत्री व रेसलर निक्की बेला और उनके मंगेतर आर्टेम चिगविंटसेव कपल काउंसलिंग के लिए जा रहे हैं, ताकि वे अपने बेटे माट्टेयो के लिए अच्छे मातापिता बन सकें। फीमेल फर्स्ट डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, निक्की ने द टैमरॉन हॉल शो में कहा, मैं बहुत समर्थन करती थी और उसे डांस करने के लिए हमेशा प्रेरित करती थी और फिर एक बार उसके जाने के बाद मुझे एहसास हुआ कि, हे भगवान मैंने क्या किया? जैसे मुझे उसकी जरूरत है। और यह वास्तव में कठिन था। हम सीजन के बाद इसे शुरू करने जा रहे हैं और यह मुख्य रूप से सिर्फ अच्छे मातापिता बनने के बारे में है और यह जानना है कि मातापिता के जीवन को कैसे संतुलित किया जाए ।

कोरोना रुपी महामारी

पैर ही पसारती जा रही कोरोना
रूपी महामारी
है मुसीबत में इस समय
कायनात सारी
कर रहे हैं जो इस समय भी
अफवाहों का बाज़ार गर्म
आनी चाहिए कुछ तो उन्हें
अपने पर शर्म
ये समय महामारी से मज़बूती
से लड़ने का है
नाकि भटकाकर लोगों में रोष
भरने का है
समस्या से भटकाने की हो
सकती है दुश्मन की चाल
बिछाना चाहता हो वो इसकी
आड़ में वायरस का जाल
हो जाना चाहिए हमें सतर्क,
नहीं मचाना चाहिए कोई बवाल
विश्वस्त सूत्रों से कर जांच,
निष्फल करें दुश्मनों की हम चाल
केवल सरकारी प्रयासों से ना
जायेगी ये महामारी
मिलेगी कामयाबी तभी जब हर
नागरिक निभायेगा अपनी ज़िम्मेदारी
गर करते हैं हम देश से
प्यार,चाहते हैं इसका उद्धार
ना आयें बहकावे मे,निभायें
धर्म अपना पा लेंगे फिर
कोरोना से पार

वन्दना भटनागर
मुज़फ्फरनगर ।
www.womenexpress.in

माँ की गोद शीतल छांव

माँ शब्द मात्र नहीं ।
इसमें समस्त ब्रह्मांड ।
समाहित माँ शब्द सुनते ।
ही ममतासिंधु, हिलोरे मारे ।
माँ की गोद शीतल छांव ।
जिसमें मस्तक रख वेदना ।
होती नष्ट स्नेह आंचल होता ।
माँ संतान की रक्त की एकएक ।
बूंद में बसती, माँ संतान की होती ।
प्रथम गुरु जो देती ।
शिक्षा सदाचार,शिष्टाचार की।
संतान संस्कारी जीवन पाता ।
सभ्य,सुघढ़ ।
माँ क्षमा है,दया है,दाता है।
प्रदाता है,जिसमें लेने का ।
भाव ना होता कदापि ।
माँ होती मुस्कान साजीवन ।
माँ मूरत होती त्याग, तपस्या की ।
माँ धरा है, गंगा, यमुना,
सरस्वती है, माँ वेद है ।
पुराण है, ऋचाएँ है ।
माँ शिक्षा का पर्याप्त, अक्षुण्ण कोष है ।
माँ सृष्टि है,आदि है ।
अंत है, मां जननी है, सकल विश्व है ।
माँ निर्मल भाव सम ।
निर्झर है, माँ संतुष्ट, आत्मा है।
माँ अतुलनीय,अवर्णनीय है ।
माँ अनुभूति है, अपने अंतस में ।
संचित सुधा पान कराती ।
माँ यत्रतत्र सर्वत्र व्याप्त है ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश ।

एक मुद्दत मिली तो है

आंखों को अश्क बहाने की,
ख़िदमत मिली तो हैं ,
क़ीमत वफ़ा की, बेवफाई की ,
तोहमत मिली तो है ,
अहसान करम आपका जो ,
समझा क़ाबिल हमको ,
वाबस्तगी से हमको ये शोहरत
मुझको मिली तो है ,
वफ़ा न सही गम ही सही, कुछ तो सही,
बदले में इश्क के हमको नफरत ,
मिली तो है ,
गुलशन दिल को मेरे दोस्तों,
रंगत ,मिली तो है ,
करके गए हैं, वो वादा दो घड़ी,
का हाँ मुश्ताक ,
इन्तेज़ार के लिए तुम को एक,
मुद्दत मिली तो है ,

डॉ . मुश्ताक अहमद शाह
हरदा, मध्यप्रदेश ।

तस्वीरें तो नहीं लोगे?

कोरोना के इस काल में कई
गरीब हुए बहुत बेहाल थे,
समाज के कुछ लोग थे जो
लेने आए सबका हाल थे,
सूट बूट पहनें थे वो मास्क
भी लगाए थे,
सीना तान चलते वो, नवाबों
वाली चाल थे ।।
मदद का झूठा ढोंग रच वो बन
मसीहा यहाँ आए थे,
खाने के कुछ पैकेट थे कुछ
फल और आटादाल थे,
गरीबों की इस भूख को वो
बनाए अपनीं एक ढाल थे ।।
एक रईस ने उन गरीबों पर
बिछाए कुछ कैमरों के जाल थे,
ये देख एक गरीब के ज़हन में
यकायक आये कुछ ख़्याल थे,
वो पूछना चाहता था,उन रईसों
से अपने कईइक सवाल थे ।।
उस गरीब ने आखिर
लड़खड़ाती जुबान से पूछ ही लिया,
कहीं मेरी तस्वीरें तो नहीं लोगे ?
कहीं उसे सोशल मीडिया पर
तो नहीं डालोगे ?
कहीं मेरे रिश्तेदार मुझे पहचान
तो नहीं लेगें ?
कहीं मुझे खुद की नजरों में
शर्मिन्दा तो नहीं होना पड़ेगा ।।
उसकी इन बातों को सुनकर
चुप्पी वहाँ थी छा गई
फिर लोग भी लगे सोचने ये
सवाल बेमिसाल है ।।
नाम अपना करने को बनकर
मसीहा यहाँ आ गए,
कुछ तस्वीरें खिंचवाना और
सोशल मीडिया डालना
ये नाम कमाने का तरीका कुछ
कमाल है ।।

आरती यादव
पटियाला, पंजाब ।

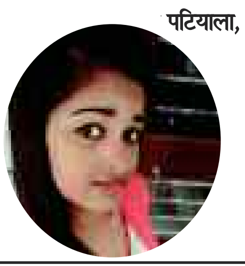

भगवान का ही है आखिरी सहारा

आजकल लोग हो गए हैं स्वार्थी
बहुत कम लोग हैं जो किसी के
काम आते हैं
सब को अपनी अपनी पड़ी है
कोई नहीं है जो दूसरों के लिए
आंसू बहाते हैं
हर जगह भ्राष्ठाचार का
बोलबाला है
निकला गरीब का दिवाला है
राशन देने के नाम पर भी हो
रहा धोखा है
उनके लिये तो यह भी एक मौका है
सहारे के बिना यह जीवन नहीं
चल सकता
मां बाप,बेटा बेटी,भाई भाई,पति पत्नी
सबको चाहिए होता है एक
दूसरे का सहारा
एकाकी जीवन भी नहीं है अच्छा
जिसने अकेले जीवन गुज़ारा
अगर बेल को भी नहीं मिलता
कोई सहारा
तो वह भी ऊपर नहीं चढ़ पाती
बिना किसी फूल फल के यूँ ही
खत्म हो जाती
पत्थर समुद्र में न तैरते
यदि नहीं होता उनको राम नाम
का सहारा
प्रल्हाद भी आग में जल जाता
यदि प्रभु ने न होता सँभाला
कोरोना के कहर से डॉक्टर भी
हैं परेशान
नहीं निकल रहा इस बीमारी का
कोई समाधान
इस लड़ाई में अभी तक तो
इंसान है हारा
अब तो भगवान तेरा ही है बस
आखिरी सहारा
वही दिखायेगा अब रास्ता जग को
जिसने भवसागर से सबको
पार है उतारा

रविंदर कुमार शर्मा
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मलय पवन मकरंद बिखेरे

कैसा यह संसार कबीरा।
नहीं बचा उर प्यार कबीरा।।
स्वारथ के सब रिश्ते नाते।
घर बनता बाजार कबीरा।।

प्रेम खोजता फिरता मानव।
दौलत, बंगला, कार कबीरा।।

प्रेम बांटने से सुख मिलता।
कभी न करना रार कबीरा।

बाहर भटके अनजाना मन।
सभी तीर्थ घरद्वार कबीरा।।
कभी न साधक हार मानता।
चल पड़ता हर बार कबीरा।।

उर आंगन मधु प्रेम उपजता।
होती आंखें चार कबीरा।।
मलय पवन मकरंद बिखेरे।
जीवन का सुख सार कबीरा।।

प्रमोद दीक्षित मलय
शिक्षक, बांदा, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

सृष्टि की संचालिका है स्त्री

स्त्री सृष्टि की संचालिका है। स्त्री के वजूद से ईश रचता है संसार। स्त्री के अस्तित्व से संगीत बहता है जिसकी लयबद्ध ध्वनि से सारी ऋचाएँ रोशन है।

तू उर्जा है, आँच है, तू प्रेरणा है, तू पर्याय है। कोई सिगरेट नहीं की आधी अधूरी सुलगती हुई कुचल दी जाए। नाहि कोई डिस्पोज़ेबल चीज़ की उपयोग किया ओर फैंक दी जाए।

तू आईना है इतराती चल। वो दिन गए वो बातें पुरानी हुई जब स्त्री की परिभाषा अबला, बेचारी, लाचार, बेबस की थी आज की नारी का अपना एक आसमान है। जिसमें उड़ सकती है बिना कोई बंदिश के। खुद का एक परिचय है।

अपने चेहरे पर शहद सी धूप चढ़ा, पलकों पर सपने पाल, मुस्कुराहट को पहचान बनाकर ज़िंदगी को हैरान कर।

किसीकी तारिफ़ की मोहताज नहीं तू अपने आप में बेमिशाल है। कड़वे, तीखे धारदार उल्हानों का जवाब दे। ज़िंदगी के प्रवास का तू अहम किरदार है। अपने वजूद को तराश ज़माने को मौका दे तुझे नोटिस करने का।

निष्ठा ओर आत्मविश्वास से अपने व्यक्तित्व को एक निखार दे। तू बोझ नहीं बल है। परिवार की तू नींव है। बारिश के जैसी बन। कोई और तय नहीं करता की बारिश को छत पर गिरना है या ज़मीन पर। वो बारिश तय करती है उसे कहाँ बरसना है। उसे तो बस बरसना है अपनी मर्ज़ी से फिर पानी को कोई सहज कर रखें या बह जाने दे वो सोचना बारिश का काम नहीं। वैसे स्त्री को भी हक है अपना रास्ता अपनी मंज़िल खुद तय करनेका।

अपने अंदर के हुनर को पहचान कर हौसलों की मिट्टी से आकार दो। तुम्हारे तन के कणकण में रचनाएँ बसी है किसी एक को सहला कर देखो जी उठोगी।

किसीके वश में रहना नहीं सबको वश में करना सिख। याद रख तेरे बिना सबकुछ अधूरा है पर तू अपने आप में संपूर्ण है। तू बिना पुरुष के जी सकती है, पुरुष तेरे बिना अकेला है। संसार तेरे बिना सूना है। रेत सी झर मत पत्थर सी तनी रहे तू बेशकिंमती नगिना है।।

भावना ठकर
भावु, बेंगलोर ।
www.womenexpress.in

मेरी मोहब्बत

मेरा ताकना उनका शर्माना
नजरें मिलाकर नजरें चुराना कुछ
तो था था..
भरी महफिल में मुझे ढूंढना, ढूंढ
कर नजर अंदाज करना कुछ तो था
आंखों में उसकी चुभन सी थी
जो दिल को दर्द देती,सांस थोड़ी
रुकती पर सुकून देती.. कुछ तो था
बेशक ना थी मोहब्बत उनको
पर बात करके दिल बहलाना
उनको था...
अधूरी मोहब्बत थी मेरी तभी
शायद आधे रास्ते छोड़ जाना
उनको था...

सोनू अवस्थी
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

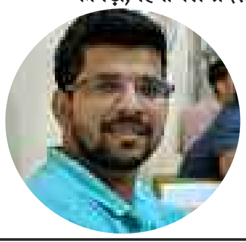

हाथ थाम लो

सूरज की किरणें मंद पड़ने लगी
लाली आसमाँ में छिटकने लगी

व्याकुल मन चल रहा लड़खड़ाता
आँचल फैलाए गेसुओं को लहराते

विचित्र लम्बी काली अँधेरी जो रात
अंतहीन अंधकार का होगा प्रभात

अंतर्मन की व्यथा को दबाते हुए
गहरे नयनों की मोती लुटाते हुए
मौन बंदी बनी बिषाद रंग में रंगी
अंदर की आहें खारा बहने लगा
स्वाभिमानी रही गरिमा की गुलाम
भटक ना जाऊँ कृपा करना श्याम

मन में उठता चीत्कार करती पुकार
रहे प्रबल भावना मेरी ना रहूँ
मोहताज

क्षितिज का अंत जो ढूँढ़ने चली
शून्य में विलीन हो ना जाऊँ कहीं

जीवन है अँधियारों से ठोकर लगी
गोधूलि के बेला में नयन जो टिकी

मोर मुकुट की छवि की कुछ
ऐसी जँची
हाथ थामे रखना प्रभु बहक ना
जाऊँ कहीं

रानी प्रियंका वल्लरी
बहादुरगढ, हरियाणा ।
www.womenexpress.in

भगवान तू है कहाँ

भगवान तू है कहाँ
भगवान तू है कहाँ

पता नहीं, कौन कबक्यों ?
ढूंढता है और पाता भी है।

मैंने सुना भगवान का नाम,
भगवान कौन हैं ?
कहाँ रहते हैं? क्या खाते हैं ?
क्या पहनते हैं? कैसे दिखते हैं ?
कैसे बात करते हैं ?
पता नहीं है मुझे...
भगवान का भी होता है
आकार , रूप रंग ...

वो हैं हर कहीं...
पर मैं नादान कुछ समझी ही नहीं ।

पर हर जगह होता है
उनकी सता का अनुभव,
भगवान हर जगह पर विद्यमान हैं।
मै भी इसी विश्वास से ढूंढती हूँ...
और पा भी जाऊँगी पक्का ही कभी ।

मिल सकते हैं मंदिर में भी ,
पथ में भी प्रकट हो जाएँ...

इतनी बड़ी शायद भक्त नहीं मैं,
पर उन्हें पाने की लालसा भी कम
नहीं मेरी ।

मिलें तुम्हें तो बता दो मुझे ...
उस परमपिता का पता दो मुझे ...
उस परमपिता का पता दो मुझे ।।

स्नेहाली प्रियदर्शिनी नायक
भुवनेश्वर, ओडिशा ।
www.womenexpress.in

जनमानस का टूटता मनोबल कैसे संभलेगा

जिस प्रकार कोरोना महामारी का प्रकोप दिल्ली जैसे बड़े शहरों के लिए चिंता का विषय बन हुआ है ऐसी स्थिति में न जाने कितनी बातें ऐसी दिमाग में घर कर गईं हैं कि पूछिए मत ! मन.मस्तिक को झिझोड़ दिया हैए उथल.पुथल मचा दी है इस एक आफत ने पिछले आठ महीनों में मन की आशा का प्रयास भी दम तोड़ने को हैए बच्चों के उदास चेहरेए उनको पार्क की जगह फोन.लेप्टोप के साथ हर वक्त देखनाए उनके मानसिक तनाव को झेलनाए हर वक्त उनका घर बैठ बस या तो खाने.पीने के लिए पूछना या अभिभावक द्वारा टोक दिए जाने पर उनका क्रोध बढ़ जाना एपढ़ाई में मन ना लगना।

जहां घर में माता.पिता ऐसी दिनचर्या से बहुत परेशान हैंए वहीं दूसरी तरफ उनका स्वयं का मन भी निराशा से भर उठा हैए आखिर कब तक इतनी कड़ी परीक्षा का सामनाए ज़िंदगी मानो थम सी गई है द्य हर काम कुर्सी और लेप्टोप पर ऑनलाइन हो रहा है पर अब इन सबसे भी सबका सर दर्द हो चुका है श्गुज़रा हुआ ज़माना और वो आज़ादी सड़क पर स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाने कीए जब चाहे जहां चाहे भागते रहने की द्य काम तो सभी कर रहे हैं पर डर.डर कर कि बस बचकर रहना है ।

ना वो खुले ठहाकेए ना ही वो अपनापन चेहरों पर एक.दूसरे को देखकरए और.तो.और अपने.पराए सबके भेद खुल गए वो अलग द्य ज़िंदा तो घूम रहे हैं मनुष्य पर आज़ाद नहीं द्य हर बुजुर्ग और बच्चा हाथ में फोन लिए कमर टेढ़ी कर या तो कुर्सी पर बैठा है या सबने लेट.लेटकर कमर दुखा ली है।

कितना भी ऑनलाइन काम हो रहा है पर वो तसल्ली नहीं मिल रही ।

अध्यापिका को अपनी कक्षा के बिना उदासी बच्चों को भी स्कूल के खेल के मैदान के बिना उदासी ऑफिसों में सब दूर.दूर मुंह पर कपड़ा बांधकर डरे.डरे से वो मिलकर एक.दूसरे का खाना खाने का सुहाना वक्त और न जाने क्या.क्या जैसे.तैसे समय काटा पहाड़ जैसा पर अब वाकई जनमानस का मन अंदर से निराश हो गया है और कब तक ऐसा रहेगा ये नहीं कहा जा सकता द्यवाकई जो इस स्थिति से पार पा गया उसका मनोबल ही सर्वश्रेष्ठ है ।

भावना अरोड़ा, मिलन
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

एक नजर

विदेशी मुद्रा भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार आठवें सप्ताह तेजी दर्ज की गयी और 20 नवंबर को समाप्त सप्ताह में यह ढाई अरब डॉलर अधिक बढ़कर 575 अरब डॉलर के पार पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एक सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.52 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड 575.29 अरब डॉलर हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार आठवें सप्ताह तेजी दर्ज की गयी है। आठ अरब डॉलर बढ़कर 568.49 अरब डॉलर, 30 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 18.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 560.71 अरब डॉलर, 23 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 5.41 अरब डॉलर बढ़कर 560.53 अरब डॉलर, 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 3.61 अरब डॉलर बढ़कर 555.12 अरब डॉलर, नौ अक्टूबर को समाप्त सप्ताह

यूपी में ऊर्जा का उत्पादन एवं खपत विकास का मुख्य आधार

यूपी में सौर एवं बॉयोफ्यूल के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन की अपार सम्भावनाएं: योगी आदित्यनाथ

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 27 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऊर्जा का उत्पादन एवं खपत विकास का मुख्य आधार है। ऊर्जा का उपयोग कृषि, उद्योग, ट्रांसपोर्ट, रोजगार सृजन आदि सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होता है।

उत्तर प्रदेश मानवशक्ति और भौगोलिक रूप से देश के अग्रणी राज्यों में सम्मिलित है। प्रदेश में सौर एवं बॉयोफ्यूल के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन की अपार सम्भावनाएं हैं। राज्य सरकार प्रदेश के विकास और औद्योगिकीकरण के लिए अक्षय ऊर्जा विशेषकर सौर एवं बॉयोफ्यूल ऊर्जा की सम्भावनाओं को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री आज नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रिन्यूबल इनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एण्ड एक्सपो 2020 (थर्ड आर0ई0इन्वेस्ट) को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी कार्यक्रम में जनपद गोरखपुर से वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन में निजी भागीदारी को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से 'सौर ऊर्जा नीति2017' प्रख्यापित की गयी है।

उन्होंने कहा कि इस नीति में ओपेन एक्सेस के द्वारा थर्ड पार्टी विक्रय, कैप्टिव उपयोगार्थ सोलर पावर परियोजनाओं की स्थापना एवं सोलर पार्क जिसमें एक साथ कई सौर पावर परियोजनाओं की स्थापना की जा सकती है, के विकास का प्राविधान किया गया है। नीति के

अंतर्गत वर्ष 2022 तक 10,700 मेगावॉट क्षमता की सौर विद्युत परियोजनाओं की अधिष्ठापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें से 6,400 मेगावॉट यूटीलिटी स्केल सौर विद्युत परियोजनाओं एवं 4,300 मेगावॉट रूफटॉप सोलर पावर प्लाण्ट की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की 'सौर ऊर्जा नीति2017' के अन्तर्गत ऑनलाइन सिंगल विण्डो क्लियरेंस, सोलर पावर परियोजनाओं की स्थापना हेतु भूमि पर 100 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी में छूट, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में 10 वर्ष के लिए शतप्रतिशत छूट, सोलर पावर परियोजनाओं हेतु पर्यावरण क्लियरेंस लिये जाने की छूट, थर्ड पार्टी को पावर सेल की अनुमन्यता, जिसमें पावर सेल पर इन्ट्रास्टेट में व्हीलिंग ट्रांसमिशन चार्जेज पर 50 प्रतिशत तथा इन्टरस्टेट पर 100 प्रतिशत की छूट आदि प्रोत्साहनों का प्राविधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बुन्देलखण्ड एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थापना हेतु 05 मेगावॉट एवं अधिक क्षमता की सोलर पावर परियोजनाओं के ग्रिड संयोजन हेतु 05 मेगावॉट से 10 मेगावॉट क्षमता के लिए 10 कि0मी0 तक, 10 मेगावॉट से 50 मेगावॉट क्षमता के लिए 15 कि0मी0 तक, 50 मेगावॉट से अधिक के लिए 20 कि0मी0 तक पारेषण लाइनों पर आने वाला व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किये जाने की व्यवस्था है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सौर विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से 4,000 मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन के लिये ग्रीन इनर्जी कॉरीडोर का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। इस कॉरीडोर में उत्पादित ऊर्जा की निकासी के लिये पारेषण तंत्र के विकास पर लगभग 5,500 करोड़ रुपये का व्यय सम्भावित है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 से वर्ष 2025 तक 04 वर्षों में प्रति वर्ष 1,000 मेगावॉट की परियोजनायें स्थापित कर लक्ष्य प्राप्त करने की योजना बनायी गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निजी विकासकर्ताओं द्वारा अब तक कुल 969 मेगावॉट क्षमता की यूटीलिटी स्केल सौर विद्युत परियोजनाओं की स्थापना की गयी है। सौर ऊर्जा नीति के अन्तर्गत आमंत्रित बिडिंग के माध्यम से 1,122 मेगावॉट क्षमता की सौर पावर परियोजनाओं का आंवटन किया जा चुका हैं। इनमें से 500 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाओं की कमीशनिंग मार्च, 2021 तक किये जाने की सम्भावना है।

39600 से अधिक लोगों को रक्त से मिला नवजीवन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

कुरुक्षेत्र। मानव सेवा संघ में राष्टपति पुलिस पदक, राष्टीय स्वर्ण पदक, डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ0 अशोक कुमार वर्मा द्वारा भारतीय सेना नायक कलीराम खिप्पल की पुण्यतिथि पर 311वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और राष्ट स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। डॉ. जगदीश राम आत्रेय मुख्यातिथि के रूप में पधारे जबकि शशिकांत शर्मा अतिरिक्त निदेशक अभियोजन हरियाणा की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। भारतीय रैड क्रास सोसायटी सचिव कुलबीर मलिक और पुलिस उपाधीक्षक शीतल सिंह धारीवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा आयोजित 311 स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से 39600 से अधिक लोगों को रक्त के माध्यम से नवजीवन मिला है. कार्यक्रम में लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में नियुक्त वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी को जीवन भर उत्कृष्ट कार्य के लिए आजीवन सेवा सम्मान और कोरोना काल में अदुभुत सेवा के लिए कोरोना योद्धा से योद्धा से सम्मानित किया गया. शिविर में नवीन सरदाना, मनीष भार्गव, प्रशांत शर्मा, राम शरण शर्मा, विजय कुमार, प्रदीप गर्ग, सतपाल, ईश्वर,

सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में मंच संचालन सारसा कन्या विद्यालय के मुख्याध्यापक रमेश शर्मा और शिक्षक भारतेन्दु हरीश ने मंच का संचालन किया जबकि प्रियंका वर्मा, दिव्या वर्मा, अक्षय वर्मा, याशिका, पार्थ और दीक्षा ने कार्यक्रम संचालन में विशेष भूमिका निभाई. न केवल हरियाणा प्रान्त अपितु विभिन्न राज्यों से चुने हुए सेवाभावियों को कोरोना शमशेर, नवीन कुमार, कमलजीत सिंह, राजिंदर, सुरजीत, चेतराम बेनीवाल, नरेश खिप्पल, नरेश कुमार, संदीप, मोहित चौहान, जितेन्द्र, अमर सिंह, राकेश शर्मा, कृष्ण लाल, संजय कुमार, लालजी, अमित सिंह, विनोद वर्मा, नवीन खिप्पल, रविकांत, संजय कुमार, पवन धीमान, विकास, ऊषा लाठर सहित अनेक युवाओं ने रक्तदान किया।

सीतारमण ने बड़े केंद्रीय सार्वजनिक उद्यमों से मार्च 2021 तक पूंजीगत व्यय का लक्ष्य पार करने को कहा

नई दिल्ली, 27 नवंबर (वेबवार्ता)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को बड़े केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) का आह्वान किया कि वे वित्त वर्ष 202021 में अपने पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के लक्ष्यों से बढ़कर खर्च करें, ताकि कोरोना वायरस संकट से प्रभावित आर्थिक वृद्धि में तेजी लाई जा सके। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक उन्होंने बिजली, खदान और परमाणु ऊर्जा सचिवों के साथ ही इन मंत्रालयों से संबंधित 10 सीपीएसई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशकों (सीएमडी) के साथ बैठक में इस आशय की बातों पर बल दिया। वित्त मंत्री द्वारा महामारी के बीच आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ जारी बातचीत की कड़ी में यह पांचवी बैठक थी। सीतारमण ने सीपीएसई के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए कहा कि उनके द्वारा किया जाने वाला पूंजीगत व्यय आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है और इसे 202021 और 2021 22 तक और बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने पूंजीगत व्यय के लक्ष्यों को पूरा करने के प्रयासों के लिए मंत्रालयों और सीपीएसई की सराहना करते हुए कहा, ''वित्त वर्ष 202021 की तीसरी तिमाही तक 75 प्रतिशत पूंजीगत व्यय के लक्ष्य को हासिल करने के लिए और चैथी तिमाही तक 100 प्रतिशत से अधिक का लक्ष्य हासिल करने के लिए अभी और अधिक प्रयासों की जरूरत है।'' बयान में कहा गया कि 23 नवंबर तक कुल 24,227 करोड़ रुपये (39.4 प्रतिशत) का लक्ष्य हासिल किया गया है, जबकि वित्त वर्ष 202021 के लिए इन उपक्रमों के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य 61,483 करोड़ रुपये है। सीतारमण ने सीपीएसी को लक्ष्य हासिल करने हेतु बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि वर्ष 202021 के लिए उन्हें दिया गया पूंजी परिव्यय सही तरीके से और समय के भीतर खर्च किया जाए। वित्त मंत्री ने कहा कि सीपीएसई के बेहतर प्रदर्शन से अर्थव्यवस्था को कोविड19 के प्रकोप से उबरने में मदद मिल सकती है।

महिलाओं का स्वावलंबी होना समय की मांग

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मंझनपुर (कौशाम्बी)। मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत बाल वृद्ध नारी कल्याण समिति मंझनपुर के तत्वावधान में एक कार्यक्रम आयोजित की गया। इसमें वक्ताओं ने महिलाओं को रोजगार के साथ साथ आत्मरक्षा के भी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने पर जोर दिया। महिलाओं के लिए चल रही सरकारी योजनाओं और सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों को जानने और अपनाने की लगभग सभी लोगों ने सलाह दी।

कौशाम्बी के सुशीला देवी कालेज ऑफ़ फार्मेसी के सभागार में आयोजित संस्था के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कॉलेज के प्रबंधक अजय श्रीवास्तव ने कहाकि महिलाओं को जागरूक करने और उन्हें सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बाल वृद्ध नारी कल्याण समिति बहुत ही अच्छा काम कर रही है। यही कारण है कि इतने कम समय में ही संस्था ने कई जिले में अपनी अच्छी पहचान बना ली है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को चाहिए कि वे इससे जुड़ें और अपने को सशक्त बनायें।

विशिष्ट अतिथि माता प्रसाद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने भी संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था के सेवा कार्यों की जितनी भी तारीफ की जाए कम है।

उन्होंने भरोसा दिया कि वह संस्था के साथ खड़े हैं। जब भी जिस चीज की जरूरत होगी वह पीछे नहीं हटेंगे। इसी प्रकार अन्य अतिथियों एमपी कान्वेंट के प्रधानाचार्य कमलेश कुमार एवं समाजसेवी छेदीलाल गिरि ने भी संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। संस्था और कार्यक्रम की अध्यक्ष जया श्रीवास्तव ने कहाकि उनका सौभाग्य है कि संस्था से समर्पित लोग जुड़े हैं। उनके प्रयास से ही संस्था इतने कम समय में अपनी पहचान बनाने में सफल हो सकी है। प्रत्येक सदस्य और पदाधिकारी तन, मन और धन से संस्था के प्रति समर्पित हैं। कार्यक्रम का संचालन संस्था की सचिव प्रियंका द्विवेदी ने किया।

उच्चतम न्यायालय ने अर्नब की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि दो साल पुराने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पत्रकार अर्नब गोस्वामी और दो अन्य को दी गई अंतरिम जमानत तब तक जारी रहेगी जब तक बंबई उच्च न्यायालय याचिका का निपटारा नहीं कर देता और साथ ही कहा कि न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपराधिक कानून नागरिकों का चुनिंदा तरीके से उत्पीड़न करने के लिए हथियार ना बनें। उच्चतम न्यायालय ने अर्नब को 11 नवंबर को अंतरिम जमानत दी थी। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने इस मामले में टीवी पत्रकार और दो अन्य को राहत देने के कारणों पर प्रकाश डाला। पीठ ने कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में दायर याचिका पर बंबई उच्च न्यायालय के फैसला करने के दिन से चार सप्ताह बाद तक पत्रकार अर्नब गोस्वामी की अंतरिम जमानत कायम रहेगी।

स्वेटर पाकर खिलखिला उठे बच्चे

बहराइच । पयागपुर संविलियन विद्यालय मोहनपुरमाफी में पंजीकृत 276 छात्रों के अभिभावकों को शिफ़्टवार सोशल डिस्टनसिंग , सैनिटाइजर के साथ स्वेटर वितरित किया गया द्य स्वेटर वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक के एआरपी राजेश कुमार मिश्र ने उपस्थित अभिभावकों से अपील की कि अपने पाल्यों के पढ़ने हेतु साप्ताहिक गृह कार्य स्कूल से लिया जाय तथा उनको गृह कार्य पूरा कराने में मदद किया जाय, तथा उपस्थित अभिभावकों को उनके पाल्यों हेतु स्वेटर भी वितरित किया, कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यपक, व शिक्षक संकुल अतुल कुमार त्रिपाठी ने किया द्य स्वेटर वितरण कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार, रिचा राजपूत,कुमारी प्राची, रणंजय प्रताप सिंह, त्तथा भूपाल सिंह मौजूद रहे।

कोरोना संक्रमण ने डायबिटीज पेशेंट्स पर बरपाया कहर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । कोरोना वायरस महामारी के बढ़ रहे मामलों के बीच में कई ऐसी बातें निकलकर सामने आई हैं जिन्हें जानना आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बता दें कि 34 वर्षीय मार्केटिंग प्रोफेशनल परमजीत सिंह (बदला हुआ नाम) को तीन सप्ताह पहले बुखार और खांसी की समस्या हुई थी। जिसके बाद उन्होंने अपना कोरोना वायरस संक्रमण का टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई। होम आइसोलेशन के समय में जब उनकी तबीयत बिगड़ने लगी तो उन्हें करोलबाग स्थित सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने कुछ टेस्ट किए और कुछ दवाईयां उन्हें दी। टेस्ट रिपोर्ट से जानकारी मिली कि मार्केटिंग प्रोफेशनल को डायबिटीज भी है। सरगंगा राम अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अतुल गोगिया ने बताया कि उनका ब्लड शुगर लेबल और एनबीए1सी काफी बढ़ा हुआ था।

एक अंग्रेजी समाचार पत्र के मुताबिक, परमजीत सिंह को डायबिटीज विरोधी दवाइयों के साथ और कुछ अन्य दवाओं पर रखा गया लेकिन वह सिर्फ अकेला नहीं था। डॉ. अतुल गोगिया ने बताया कि 10 से 15 फीसदी कोरोना मरीजों को डायबिटीज की समस्या की कोई जानकारी नहीं है। डॉक्टर ने कहा कि यह संभव हो सकता है कि किसी व्यक्ति को डायबिटीज था लेकिन उसे उसके बारे में जानकारी नहीं थी। कोविड19 संक्रमण के इलाज के दौरान जब टेस्ट किया गया तभी इसके बारे में पता चला। वहीं मैक्स के वरिष्ठ डॉक्टर सुजीत झा का कहना है कि उन्हें भी रोजाना 6 से 8 ऐसे मरीज मिलते हैं जिन्हें हालही में डायबिटीज हुआ है या फिर डायबिटीज की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि इनमें से कई मामलों में कोविड के इलाज के दौरान गलती से निदान किया जाता है।

बेंगलूरु के येलहंका वायुसेना स्टेशन पर एयरो इंडिया-2021 का आयोजन 3 फरवरी से

जयपुर। कर्नाटक के बेंगलूरु स्थित येलहंका के वायुसेना स्टेशन पर 3 से 7 फरवरी 2021 तक पांच दिवसीय एयरो इंडिया2021 का आयोजन किया जाएगा। रक्षा सूत्रों के अनुसार पांच दिवसीय कार्यक्रम में एयरोस्पेस और रक्षा उद्योगों की एक प्रमुख व्यापार प्रदर्शनी का संयोजन होगा।

एयरोस्पेस उद्योग में वैश्विक नेताओं और बड़े निवेशकों के अलावा, इस प्रदर्शनी में दुनिया भर के थिंकटैंकों की भागीदारी भी देखने को मिलेगी।

एयरो इंडिया उड्डयन उद्योग में सूचना, विचारों और नए विकास के आदानप्रदान के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

घरेलू विमानन उद्योग को प्रोत्साहन देने के अलावा यह मेक इन इंडिया को बढ़ावा देगा। एयरो इंडिया में भारतीय और विदेशी दोनों के करीब 500 कंपनियों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रदर्शनी देखने के लिए मीडियाकर्मियों के लिए पंजीकरण की आखरी तारीख 6 दिसम्बर है। विदेशी पत्रकारों द्वारा इस प्रदर्शनी को कवर करने के लिए वैध वीजा होना जरुरी है।

मीडिया पंजीकरण के लिए कोई शुल्क नहीं है। हालांकि जो विदेशी पत्रकार इस प्रदर्शनी को कवर करना चाहते हैं, उनके पास वैध वीजा होना चाहिए। वेबसाइट पर जाकर मीडियाकर्मी पंजीकरण कर सकते हैं।

इसके लिए एक वैध मीडिया पहचान पत्र संख्या, पीआईबी, राज्य मान्यता कार्ड नंबर (यदि मान्यता प्राप्त है) सरकार द्वारा जारी फोटोआईडी कार्ड नंबर और 512 केबी से कम वाली एक तस्वीर की आवश्यकता होगी।

कोरोना काल में जन आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभा रही सेल

नई दिल्ली, 27 नवंबर (वेबवार्ता)। इस्पात निर्माता कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) सभी सरकारी दिशानिर्देशों को प्रभावी तरीके से लागू करते हुए, कोविडद्19 महामारी से निपटने के लिए 'जनआंदोलन' में बड़ी भागीदारी निभा रही है। सेल ने आज जारी विज्ञप्ति में बताया कि वह अपने संयंत्रों में स्थित अस्पतालों के जरिये संयंत्रों, इकाइयों और कार्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में अब तक 5,000 से भी अधिक कोरोना मरीजों का उपचार कर चुकी है। इसके साथ ही कंपनी ने कोरोना से बचाव की दिशा में बड़े पैमाने पर कदम उठाते हुए नई दिल्ली स्थित कॉरपोरेट कार्यालय समेत सभी संयंत्रों और इकाइयों में कोरोना महामारी से निपटने का व्यापक ढांचा विकसित किया है। सेल ने कहा कि केंद्रीय इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने त्योहारी मौसम की शुरू होने से पहले सेलकर्मियों को दिये अपने संदेश में कहा था कि कोविड19 महामारी ने लोगों के जीने, काम करने, सोचने और भविष्य की योजनाओं को बदलकर रख दिया है। उन्होंने कहा था कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना महामारी के प्रसार को जल्द से जल्द रोकने के लिए, कोविड19 से निपटने के जरूरी उपायों और जानकारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जनआंदोलन का आह्वान किया है। सेल इस कोरोना काल में अपने कार्मिकों और उनके परिवारों के बीच जरूरी चिकित्सा सेवाओं के साथसाथ अन्य आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति करने में जुटी है। सेल ने अपने विभिन्न संयंत्र के अस्पतालों में कोविड19 मामलों को निपटने के लिए लगभग 330 आइसोलेशन वार्ड, 600 से अधिक क्वारंटाइन सुविधा और 80 से अधिक आईसीयू बेड की व्यवस्था सुनिश्चित की है। सेल ने शुरुआत में ही कोविड19 की समस्या का आकलन कर लिया था और इससे निपटने के लिए तत्काल प्रभाव से बड़े पैमाने पर ठोस कदम उठाने शुरू कर दिये थे। सेल के अध्यक्ष अनिल कुमार चैधरी ने कहा, 'सेल एक प्रगतिशील और कर्मचारी उन्मुख संगठन होने के नाते, अपने कार्मिकों की हर तरह से सहायता करने और उन्हें हर तरह की जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर हमेशा तत्पर और तैयार रहती है।

योगी ने मोदी की अभेद्य चौकसी की तैयारियों का लिया जायजा

क्रूज पर सवार होकर देखा पीएम के दौरे की तैयारियां

(सुरेश गांधी)

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देव दीपावली पर 30 नवंबर को काशी आगमन के मद्देनजर सुरक्षा एवं तैयारियों में कहीं कोई चूक ना हो इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। साथ ही मातहत अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि प्रधानमंत्री के सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। हेलीकाप्टर से पहुंचे मुख्यमंत्री ने मिर्जामुराद के खजुरी में होने वाली मोदी की सभाथल पर बने जर्मन हैंगर पंडाल का भी जायजा लिया।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ पड़ाव के सूजाबाद में बने हैलीपेड पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग से लगभग चार सौ मीटर की दूरी गाड़ी से तय कर गंगा नदी के तट पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से समय से काम पूरा करने का निर्देश दिया। गंगा तट को और समतल बनाने की भी बात कही। तत्पश्चात पीएम के आगमन की तैयारी को देखने सीएम विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को देखते हुए श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। गर्भ गृह में सविधि दर्शन पूजन किए। इसके बाद अलखनंदा समेत अन्य भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं की मौजूद थे।

अलकनंदा क्रूज से मुख्यमंत्री रविदास घाट पहुंचे जहां मुख्यमंत्री के साथ पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी ने

क्रूज से घाट के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण करने निकल गए। इस दौरान स्टांप शुल्क पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल, महामंत्री जगदीश त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, ड़ा. आजाद सिंह गौतम, अमित जायसवाल, प्रवीण सिंह गौतम, संजीव सिंह, अरविंद प्रधान कमिश्नर को पार्क में सजावट और घाटों पर दीपक से प्रकाशित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के रविदास घाट आने से पूर्व जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा और एसएसपी सहित आलाधिकारियों ने रविदास घाट और पार्क का निरीक्षण किया। इस दौरान गेट पर जुटी भीड़, पार्क में काम कर रहे लोग और घाट किनारे लोगों के जमावड़े पर एसपीजी के अधिकारियों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि भीड़ नही दिखनी चाहिए। एसपीजी ने घाट की खड़ी सीढ़ियों पर तीन मीटर चैड़ी पट्टी जिसपर मैटिंग लगाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मिर्जामुराद के खजुरी में होने वाली पीएम की सभा का भी अवलोकन किया।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा 30 नवंबर को राजातालाब से हंडिया तक बने हाइवे के 72.64 किमी लंबे सिक्सलेन सड़क का लोकार्पण किया जाना है। इस सिक्सलेन हाइवे पर 3 फ्लाईओवर, 22 अंडरपास, 36 बस स्टैंड, 2 फुट ओवरब्रिज, 4 ट्रक वे, एक टोल प्लाजा समेत अन्य कार्य हुए है।

इस कार्य मे 2447 करोड़ रुपए खर्च हुए है। सिक्सलेन का यह कार्य 5 दिसंबर 2017 से प्रारंभ हुआ था। नेशनल हाइवे 2 का सिक्सलेन लोकार्पण के बाद अब नेशनल हाइवे 19 के नाम से जाना जाएगा। हाइवे पर एनएच 19 के नए सांकेतिक बोर्ड लगा दिए गए है।

बिना मास्क घूम रहे लोगों पर कार्रवाई के साथ ही पुलिस और प्रशासन की ओर से पहल कर कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि कोरोना संक्रमण की गति को पीएम के दौरे पर उमड़ने वाली भीड़ के बीच भी गाइड लाइन का पालन कराया जा सके। सभास्थल पर दस हजार लोगों की जुटान होने की उम्मींद है। प्रशासन के लिए पीएम का यह दौरा काफी चुनौतीपूर्ण है।

इसके बाद अधिकारियों संग एएसएल बैठक की। आधे घंटे चली इस बैठक में एसपीजी के आईजी आलोक शर्मा, डीएम कौशल राज शर्मा, एएससपी अमित पाठक, एसपीआरए मार्तण्ड प्रताप सिंह, सीआईएसएफ के सीनियर कमांडेंट अजय कुमार, आईबी, एलआईयू, एयरलाइंस सहित सुरक्षा एजेंसियों के साथ ही संबंधित अन्य एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

मप्र में बीते 2 सालों में डेढ़ गुना पर्यटक बढ़े

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार का पर्यटन क्षेत्र पर खास जोर है क्योंकि राज्य के प्रति पर्यटकों का आकर्षण बढ़ रहा है। वर्ष 2017 में आए पर्यटकों के मुकाबले वर्ष 2019 में आए पर्यटकों की संख्या डेढ़ गुना ज्यादा रही। राज्य सरकार अब धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को भी बढ़ाने का मन बना रही है। राज्य के पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश का भारत में सातवां स्थान है। वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश में कुल पांच करोड़ 88 लाख पर्यटक आए वहीं वर्ष 2019 में आठ करोड़ 90 लाख से अधिक पर्यटक राज्य में आए। राज्य में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर गौर करें तो राज्य की कैंपिंग नीति 2018 तथा जल पर्यटन नीति 2017 के चलते यहां साहसिक एवं जल क्रीड़ा पर्यटन में काफी वृद्धि हुई है। इसके साथ ही रिस्पांसिबल टूरिज्म मिशन चालू किया गया है, जनजातीय पर्यटन, अनुभव आधारित पर्यटन, हस्तकला एवं हस्तशिल्प पर्यटन, स्वस्थ जीवन शैली पर्यटन आदि को बढ़ावा दिया जा रहा है।

हैदराबाद शहर में मौजूद हैं पाकिस्तानी- किशन रेड्डी

हैदराबाद (तेलंगाना)। केंद्रीय गृहमंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद में पाकिस्तान और रोहिंग्या मुसलमान मौजूद हैं। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय ने भी पुराने शहर से घुसपैठियों को निकालने के लिए सर्जिकल करने वाला विवादास्पद बयान दिया था। अब पहली बार केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री स्वीकारा है कि पुराने शहर में पाकिस्तानी रह रहे हैं और उनका पाकिस्तानी नागरिक पासपोर्ट एक्सपायर हो चुका है। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि हैदराबाद में रोहिंग्या शरणार्थियों के रहने की जानकारी केंद्र और राज्य सरकार दोनों के पास है। रोहिंग्या मुसलमानों ने मतदाता की सूची में अपना नाम शामिल करा किया है। उन्होंने कहा कि गैर कानूनी ढंग से आधार कार्ड और गलत दस्तावेज तैयार करने में अभी तक कई पकड़े गए हैं और इन पर हैदराबाद पुलिस ने कार्रवाई भी की है। उल्लेखनीय है कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम चुनाव में पाकिस्तानी और रोहिंग्या की मौजूदगी एक चुनावी मुद्दा बन चुका है। इससे पहले तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बंडी संजय ने कहा था कि अगर भाजपा नगर निगम चुनाव जीतती है, तो वह ऐसे लोगों के खिलाफ पुराने हैदराबाद में सर्जिकल स्ट्राइक करेगी।

न्यायालय ने राजकोट में कोविड अस्पताल में आग लगने की घटना पर संज्ञान लिया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजकोट में कोविड19 अस्पताल में बृहस्पतिवार को आग लगने की घटना पर संज्ञान लिया और इस मामले में गुजरात सरकार से रिपोर्ट मांगी। इस घटना में कई मरीजों की मौत हो गई है। केन्द्र की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय की पीठ को आश्वस्त किया कि केन्द्रीय गृह सचिव शनिवार तक बैठक आयोजित करेंगे और देश भर के सरकारी अस्पतालों के लिए अग्नि सुरक्षा निर्देश जारी करेंगे। गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने बताया कि गुजरात के राजकोट जिले में निर्दिष्ट कोविड19 अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से संक्रमण के इलाज के लिए भर्ती पांच मरीजों की मौत हो गई। उन्होंने यहां पत्रकारों को बताया कि उपचार के लिए भर्ती 26 अन्य मरीजों को सुरक्षित निकाल कर अन्य जगह स्थानांतरित किया गया है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण,न्यायमूर्ति आर एस रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने देश भर में संक्रमण के बढ़ते मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्यों को हालात का मुकाबला करना होगा और कोविड19 महामारी के हालात से निपटने के लिए राजनीति से ऊपर उठना होगा। जब देश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए नीतियां, दिशा निर्देश और मानक संचालन प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं।

बीजेपी ने की ममता के किले में सेंध, विधायक को तोड़ा

दक्षिण कूचबिहार के विधायक मिहिर गोस्वामी हुई भाजपाई

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर भारतीय जनता पार्टी ने टीएमसी की प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सियासी किले में सेंध लगा दी है।

भाजपा ने शुक्रवार को ममता बनर्जी के करीबी नेता एवं दक्षिण कूच बिहार सीट से विधायक मिहिर गोस्वामी को तोड़ लिया। उन्हें पश्चिम बंगाल से दिल्ली लाया गया और भाजपा मुख्यालय में बाकायदा पार्टी की सदस्यता दिलवाई गई। भाजपा के पश्चिम बंगाल प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में मिहिर गोस्वामी ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इससे पहले ममता सरकार के परिवहन मंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भी टीएमसी से इस्तीफा दे दिया था और

कयास लगाए जा रहे हैं कि वह भी बीजेपी में शामिल होंगे। सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनखड़ को इस्तीफा भेजा था। हालांकि अभी तक उन्होंने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। सूत्र बताते हैं कि सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा से जोड़ तोड़ कर रहे हैं। बता दें कि भाजपा में शामिल होने वाले मिहिर गोस्वामी ने मिहिर शुक्रवार को कोलकाता से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। मिहिर बीजेपी सांसद निशिथ प्रमाणिक के साथ दिल्ली पहुंचे। इसके बाद उन्होंने बीजेपी कार्यालय में सदस्यता ली।

बता दें कि पश्चिम बंगाल में अगले वर्ष 2021 के अप्रैलमई में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा हाईकमान बिहार चुनाव जीतने के बाद अब पूरी तरह से पश्चिम बंगाल में पहुंच गई है। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती है, इसलिए पार्टी के आला नेता इस राज्य पर पूरा ध्यान रख रहे हैं। सूत्रों की माने तो गृहमंत्री अमित शाह खुद बंगाल फतह के लिए रणनीति बनाकर पार्टी को आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने हर महीने एक रैली करने का प्रोग्राम बनाया है। इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नडडा भी महीने में 2 बार पश्चिम बंगाल दौरे पर जाएंगे।

किसान शर्तों के साथ बातचीत के लिए तैयारः अंजान

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता अतुल कुमार अंजान ने किसानों और मजदूरों की कल की हड़ताल पर सरकार के दमनकारी कदम की तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि अगर सरकार कृषि संबंधी तीनों कानूनों को स्थगित कर दें तो देश के किसान उससे बातचीत करने के लिए तैयार है। अंजान ने कल कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के किसानों के साथ बातचीत के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। गौरतलब है कि तोमर ने कल पत्रकारों से कहा कि सरकार किसानों के साथ बातचीत करने को सहमत है।

भाकपा नेता ने कहा कि पहले तोमर साफगोई से बात करें और झूठ का सहारा नहीं लें। उनका यह कहना सफेद झूठ है कि यह आंदोलन सिर्फ पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश का संघर्ष है। कल 26 नवंबर को देश के किसानों ने मजदूरों के साथ मिलकर 'आम हड़ताल और ग्रामीण भारत बंद' का सफल आयोजन किया। स्वयं सरकार एवं मीडिया ने यह बताया कि 22 राज्यों में हड़ताल पूर्णतः सफल रही। स्वामीनाथन आयोग के पूर्व सदस्य श्री अंजान ने कहा कि सारे देश के किसान आज केंद्रीय कृषि एवं बिजली कानून के खिलाफ मौन जुलूस, ज्ञापन, जनसभा और मशाल जुलूस आयोजित कर दिल्ली में किये जा रहे किसानों की कार्रवाई का समर्थन का कार्यक्रम कर रहे हैं। दिल्ली में भी आसपास के राज्यों के किसान इन कानूनों के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करने के लिए आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे आप नेता पुलिस हिरासत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 नवंबर । किसानों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास के समीप प्रदर्शन करने पहुंचे आम आदमी पार्टी के नेता जरनैल सिंह को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जरनैल सिंह के साथ पंजाब से आए आम आदमी पार्टी के कई अन्य नेता व कार्यकर्ता भी शामिल थे। यह लोग कृषि कानूनों के विरोध में प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। जरनैल सिंह पंजाब में आम आदमी पार्टी के प्रभारी हैं। गौरतलब है कि पंजाब के किसान कृषि कानूनों का विरोध करने दिल्ली आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने किसानों को दिल्ली बॉर्डर पर रोक रखा है। इस बीच जरनैल सिंह शुक्रवार दोपहर अपने कुछ सहयोगियों के साथ प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध दर्ज कराने पहुंच गए। हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। आम आदमी पार्टी विधायक व दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा, किसानों को उनकी बात रखने का हक है और

उनके साथ किसी मुजरिम की तरह बर्ताव नहीं किया जा सकता है।

आम आदमी पार्टी विधायक आतिशी ने कहा, अपने हक के लिए आवाज उठाने पंजाब से आए किसानों पर कठोर सर्दी में बर्बरता से वॉटर कैनन चलाने वाली दिल्ली पुलिस और उनके मालिक केंद्र सरकार को न इतिहास माफ करेगा, न इस देश की जनता। दिल्ली भी देख रही है कि इस देश की सरकार की नजरों में अन्नदाता की क्या इज्जत है। आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा, हमें क्या हो गया है, अपने आजाद देश में अपने ही किसानों पर इतने जुल्म। दिल्ली पुलिस कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों को दिल्ली के विभिन्न स्टेडियमों में रखना चाहती थी। इसके लिए पुलिस ने दिल्ली सरकार से इन स्टेडियमों को अस्थाई जेल बनाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन दिल्ली सरकार ने यह अनुमति देने से इनकार कर दिया। दिल्ली सरकार में गृहमंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा, किसानों की मांग जायज है। केंद्र सरकार को किसानों की मांगे तुरंत माननी चाहिए। किसानों को जेल में डालना इसका समाधान नहीं है।

दुपहिया वाहन चालकों के लिए बीआईएस वाले हेलमेट अनिवार्य

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, देशभर में आज से आदेश लागू

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 25 नवंबर दुपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को यकीनी बनाने के लिए केंद्र सरकार ने आज एक बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत देश में अब बीआईएस सर्टिफिकेशन वाले हेलमेट ही मिलेंगे। साथ ही हेलमेट निर्माण को भी जरूरी कर दिया है। इस बावत सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्रालय ने दुपहिया मोटर वाहनों की सवारियों के लिए हेलमेट आदेश जारी किया है। मंत्रालय के मुताबिक देश में अब

केवल बीआईएस प्रमाणित टू व्हीलर हेलमेट ही बनाए जाएंगे और टू व्हीलर बाजार में बेचे जाएंगे। इससे कम गुणवत्ता वाले हेलमेट की बिक्री कम होगी और परिणामस्वरूप टू व्हीलर चालक घातक दुर्घटना से बचेंगे। परिवहन मंत्रालय के मुताबिक उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार देश की जलवायु स्थिति के

अनुकूल हल्के भार के हेलमेट के बारे में विचार करने तथा हेलमेट का परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सड़क सुरक्षा समिति बनाई गई थी। इस समिति में एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों तथा बीआईएस के विशेषज्ञों सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल किए गए। समिति ने मार्च 2018 में अपनी रिपोर्ट के विस्तृत विश्लेषण के बाद देश में हल्के भार के हेलमेट की सिफारिश की। परिवहन मंत्रालय ने इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया। समिति की सिफारिशों के अनुसार बीआईएस ने विशेष विवरणों में संशोधन किया है जिससे हल्के भार के हेलमेट बनेंगे। भारतीय बाजार में अच्छी स्पर्धा और विभिन्न हेलमेट निर्माताओं को देखते हुए आशा की जाती है कि इस स्पर्धा से अच्छी गुणवत्ता के कम भार वाले हेलमेट की मांग बढ़ेगी।

बता दें कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग 1.7 करोड़ टू व्हीलर बनाये जाते हैं। सरकार ने कहा कि ऐसा करने से देश में कम गुणवत्ता वाले टू व्हीलर हेलमेट की बिक्री पर रोक लग सकेगी। इससे दुपहिया वाहनों से दुर्घटना कम होगी। बता दें कि देश में दुपहिया वाहन चालकों की हर वर्ष हजारों की संख्या में सड़क हादसों में मौत हो जाती है। इसमें सबसे ज्यादा वजहें हेलमेट ना पहनना या घटिया किस्म का हेलमेट होना बताया जाता है।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में थडा साहिब की बेअदबी!

रात ढाई बजे एक सिरफिरा थडा साहिब पर लेट गया, गिरफ्तार

सरना दल एवं जागो पार्टी ने की निंदा, कार्रवाई की मांग

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर गुरुद्वारा बंगला साहिब में शुक्रवार को तड़के ढाई बजे थडा साहिब की बेअदबी का मामला सामने आया है। इसको लेकर सिक्खों में भारी गुस्सा और रोष है। विपक्षी दलों एवं संगतों ने पुलिस और गुरुद्वारा कमेटी से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

हालांकि गुरुद्वारा में थडा साहिब के बेअदबी करने वाले सिरफिरे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हुआ यूं कि शुक्रवार को तड़के करीब ढाई बजे गुरुद्वारा बंगला साहिब में पहली अरदास के समय जहां गुरुग्रंथ साहिब सुशोभित किए जाते हैं, उस थड़े पर अचानक एक युवक दौड़ते हुए आया और कूद कर लेट गया। जब तक कोई कुछ समझ पाता उक्त युवक गाली गलौच करने लगा। इसके बाद आनन फानन में

गुरुद्वारे के सेवादार उसे खींच कर नीचे उतारते हैं और इस दौरान मौजूद संगत उसकी पिटाई कर देती है। गुरुद्वारा प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। बादल में पुलिस के आने के बाद कमेटी का स्टाफ उसे पुलिस को सौप दिया। उसकी पहचान पहाडगंज के रहने वाले आनंद के रूप में हुई है। घटना की जानकारी सोशल मीडिया पर फैलते ही सियासी दलों के नेता गुरुद्वारा और पुलिस स्टेशन पहुंच जाते हैं। सिख संगठनों के नेता पुलिस पर दबाव बनाकर सख्त धाराओं में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की। किसानों के आंदोलन से परेशान पुलिस मामले में केस दर्ज करते हुए आरोपी का मेडिकल कराने के लिए अस्पताल भेज दिया। इस मौके पर जागो पार्टी के अध्यक्ष मंजीत सिंह जीके ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना करार दिया है। जबकि सरना दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने कहा कि यह दिल्ली कमेटी के प्रबंधन की लापरवाही है, जिसके लिए कमेटी को संगत से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह घटना सिख समुदाय के दिलों पर गहरी चोट है। सरना के मुताबिक उक्त आरोपी एक दिन पहले भी गुरुद्वारा बंगला साहिब में पकड़ा गया था लेकिन उसे पूछताछ कर रिहा कर दिया गया। सरना ने कहा कि यह कमेटी प्रबंधकों का कर्तव्य था कि वह केवल गुरु घर के सेवकों को रखें जो अपनी जिम्मेदारियों के बारे में जानते थे, ताकि गुरुद्वारा के अंदर कोई अप्रिय घटना ना हो सके।

इस बावत बंगला साहिब के चेयरमैन परमजीत सिंह चंडोक ने कहा कि उक्त सिरफिरे को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी मेडिकल जांच हो रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि असल में क्या मामला है।

गुरुद्वारा कमेटी ने राजधानी पहुंचे किसानों के लिए लगाया लंगर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 नवंबरः दिल्ली पुलिस द्वारा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा को गिरफ्तार करने की असफल कोशिश और बार बार रोक लगाने के प्रयास करने के बावजूद दिल्ली कमेटी ने आज राजधानी पहुंचे संघर्षशील किसानों के लिए लंगर लगाया।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा ने दो दिन पहले ही ऐलान कर दिया था कि दिल्ली कमेटी राजधानी में रोष प्रदर्शन करने अथवा धरना प्रदर्शन के लिए आने वाले किसानों के लिए लंगर व अन्य जरूरी वस्तुओं का प्रबंध करेगी। आज जब लाखों की गिनती में किसान दिल्ली बार्डर पर पहुंचे तो स. सिरसा द्वारा किए ऐलान के मुताबिक दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने किसानों के लिए लंगर तैयार कर लिया। स. सिरसा की अगुवाई में कमेटी की टीम जब लंगर किसानों के लिए ले जाने लगी तो दिल्ली पुलिस ने स. सिरसा को गिरफ्तार करने और लंगर रोकने का प्रयास किया जो असफल रहा इसके बाद दिल्ली गुरुद्वारा

कमेटी की टीम बार्डर पर पहुंच गई और रोष प्रदर्शन कर रहे किसानों को लंगर छकाया। इस मौके पर स. सिरसा ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि हमें संघर्ष कर रहे भाईयों को लंगर छकाने से रोका जा रहा है जबकि हमनें इसका ऐलान दो दिन पहले ही कर दिया था। उन्होंने बताया कि लंगर प्रथा गुरु नानक देव जी द्वारा भूखे साधूओं को लंगर छका कर शुरु की गई थी तथा उस समय से लेकर सिख कौम बगैर किसी धर्म अथवा भेदभाव के संगतों को लंगर छकाती है उन्होंने कहा कि किसान अपना हक मांगने के लिए दिल्ली आये हैं और इन्हें लंगर छकाना हमारा फर्ज है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय बात है कि दिल्ली पुलिस दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी को किसानों को लंगर छकाने से रोकने का प्रयास कर रही है।

छात्र भारत को फिट बनाने के पीछे प्रेरक शक्तिः रिजिजू

नई दिल्ली, 27 नवंबर । केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने फिट इंडिया स्कूल सप्ताह कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया और कहा कि छात्र भारत को फिट बनाने के पीछे प्रेरक शक्ति हैं। फिट इंडिया मिशन की निदेशक एकता विश्नोई, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई के अध्यक्ष मनोज आहूजा, सीआईएससीई के अध्यक्ष डॉ. जी. इमैनुअलय एमपी इंटरनेशनल स्कूल, कासरगोड के प्रधानाचार्य डॉ. अब्दुल जलील मारथ्या, जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा के शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग की अध्यक्ष नीरज सिंह और जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा के छात्र प्रतीक और एमपी इंटरनेशनल स्कूल, कासरगोड के यासिर आमिर अली और स्पोर्ट्स एंकर मनीष बटाविया की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों को शारीरिक गतिविधि और खेल को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया गया क्योंकि स्कूल पहली जगह है जहां आदतें बनती हैं। समारोह के दौरान रिजिजू ने विद्यालय जीवन में फिटनेस के महत्व के बारे में बात की और कहा कि छात्र भारत को फिट बनाने के पीछे प्रेरक शक्ति हैं और उन्हें यह देखकर खुशी हो रही है कि इतने सारे स्कूलों ने फिट इंडिया स्कूल सप्ताह के लिए पंजीकरण कराया है और यह संख्या दिनप्रतिदिन बढ़ रही है। यह लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करता है ताकि हर भारतीय फिट हो सके क्योंकि इसके लिए ऊर्जा इन स्कूलों से ही पैदा होती है। फिट इंडिया स्कूल सप्ताह कार्यक्रम पिछले साल नवंबर में शुरू किया गया था और इसमें देश भर के 15,000 से अधिक स्कूलों ने भाग लिया था। जेपी पब्लिक स्कूल की एक भाग्यशाली छात्रा प्रकृति आदर्श को भी सजीव प्रसारण सत्र के दौरान खेल मंत्री से एक सवाल पूछने का मौका दिया गया था ।

सुशील मोदी होंगे बिहार से राज्यसभा उम्मीदवार

भाजपा ने किया ऐलान, केंद्रीय चुनाव समिति ने लगाई मुहर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 नवंबर भारतीय जनता पार्टी ने बिहार के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी को संसद की उच्च सदन राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। बीजेपी ने उन्हें आगामी राज्यसभा उपचुनाव 2020 के लिए उम्मीदवार बनाया है। राज्यसभा उपचुनाव 14 दिसंबर को होना है।

यह सीट लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के निधन से खाली हुई थी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरूण सिंह के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने बिहार में होने वाले आगामी राज्य सभा के उपचुनाव के लिए सुशील कुमार मोदी के नाम पर स्वीकृति प्रदान की है।

बता दें कि सुशील मोदी बिहार के दिग्गज नेता हैं और नीतीश कुमार

की अगुवाई में 2005 से 2020 तक एनडीए सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे।

हालांकि इस बार बीजेपी ने उनकी जगह तार किशोर प्रसाद और रेणु देवी को उपमुख्यमंत्री बनाया है। इस फैसले से सुशील मोदी नाराज भी बताए जा रहे थे। लेकिन पार्टी ने उन्हें संकेत दिया था कि वह अब केंद्र की राजनीति में आएंगे। इसके बाद सुशील मोदी थोड़ा नरम पड़े और उन्होंने ट्विटर पर लिखा था कि कार्यकर्ता का पद उनसे कोई नहीं छीन सकता है। सुशील मोदी ने लिखा था, भाजपा और संघ परिवार ने मुझे 40 वर्षों के राजनीतिक जीवन में इतना दिया की शायद किसी दूसरे को नहीं मिला होगा।

आगे भी जो जिम्मेवारी मिलेगी

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के निधन पर खाली हुई सीट

उसका निर्वहन करूंगा। कार्यकर्ता का पद तो कोई छीन नहीं सकता। इसके बाद सियासी हलको में हवा उड़ी कि उन्हें मोदी सरकार में मंत्री भी बनाया जा सकता है। बता दें कि भाजपा और जेडीयू के सहयोग से 2019 में रामविलास पासवान निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। इस सीट का कार्यकाल 2 अप्रैल 2024 तक है। पासवान का इसी 8 अक्टूबर को निधन हो गया।

14 दिसम्बर को होगा मतदान

बिहार की इस एक सीट के उपचुनाव के लिए 14 दिसंबर को मतदान कराए जाने का कार्यक्रम तय किया गया है।

इसके पहले 3 दिसंबर तक नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकेगा। 4 दिसंबर को स्क्रूटनी की तारीख तय की गई है। प्रत्याशी सात दिसंबर तक अपनी दावेदारी वापस ले सकते हैं। जरूरत पड़ी तो 14 दिसंबर को मतदान होगा। सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान का समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।